website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 49 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 29 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

अयोध्या सीट पर पहला हक विनय कटियार का, बृजभूषण शरण सिंह ने बोले- मेरे साथ षड्यंत्र हुआ

यूपी। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है कि अयोध्या लोकसभा सीट पर पहला हक विनय कटियार का है और उन्हें ही चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने यह बात एक चैनल से बातचीत के दौरान कही। पूर्व सांसद ने कहा कि उनके साथ 2023-24 में षड्यंत्र हुआ, इसलिए उन्होंने कहा था कि वह लोकसभा जाएंगे। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को संकेत दिया था कि वह 2029 का लोकसभा चुनाव अयोध्या सीट से लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला सही समय पर लिया जाएगा। लेकिन वह किसी भी तरह लोकसभा जरूर जाएंगे। उनका ये बयान सुर्खियों में आने के बाद एक बार फिर सियासी हलचल बढ़ गई। इसे ही लेकर उन्होंने एक मीडिया चैनल से बात की और कहा, 'आज फिर बोल रहा हूं कि मैं लोकसभा का चुनाव 2029 में लडूंगा। सीट पार्टी तय करेगी कि मुझे कहां से लड़ना है। मुझे एक बार लोकसभा जाना है, चाहे जैसे जाऊं।' पूर्व सांसद ने एक बार फिर अलग-अलग वर्ग के विधायकों व सांसदों की बैठक का समर्थन किया और कहा कि मुझे इसमें कुछ गलत नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि पंकज चौधरी से मेरे पुराने संबंध हैं। 1991 में वह दोनों एक साथ चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। प्रदेश अध्यक्ष बनने से पार्टी को फायदा होगा। बृजभूषण शरण ने राष्ट्रकथा कार्यक्रम का भी जिक्र किया, जिसे सबको जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया और जिसमें सभी का सहयोग लिया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों पर भी टिप्पणी की और कहा कि जब तक पूरी जानकारी नहीं मिलती, तब तक इस पर बोलना उचित नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ अपने संबंधों को बेहतर बताया।

पहले भी चुनाव लड़ने का कर चुके हैं जिक्र

इससे पहले भी बृजभूषण शरण सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि वह 2029 का चुनाव जरूर लड़ेंगे। दुनिया की कोई भी ताकत उन्हें चुनाव लड़ने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने कहा था, 'भाजपा से मेरा बेटा विधायक है, एक बेटा सांसद है, भतीजा ब्लॉक प्रमुख है। पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी है। हमारी विचारधारा भारतीय जनता पार्टी की है।'

अजित पवार के निधन पर ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया से बढ़ी राजनीतिक हलचल, निष्पक्ष जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी नेता अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना की जांच कराने की मांग उठाई है। बुधवार सुबह मुंबई से बारामती जा रहा छोटा विमान उतरते समय हादसे का शिकार हो गया, जिसमें अजित पवार सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गई।

ममता बनर्जी ने उठाई जांच की मांग

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस दुखद दुर्घटना की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। उन्होंने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए जिम्मेदारी तय किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सोशल मीडिया पर व्यक्त किया शोक

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट साझा कर अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने लिखा कि इस समाचार से वह स्तब्ध और अत्यंत पीड़ित हैं। ममता बनर्जी ने अपने संदेश में कहा, 'अजित पवार के अचानक निधन से मैं बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और उनके साथ सफर कर रहे अन्य लोग आज सुबह बारामती में हुए भयावह विमान हादसे में जान गंवा बैठे। यह देश के लिए अपूरणीय क्षति है।'

हादसे में 6 लोगों की मौत

इस दुर्घटना में अजित पवार के अलावा विमान के दोनों पायलट और उनके सुरक्षा कर्मी भी मारे गए। विमान मुंबई से बारामती की ओर जा रहा था और उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर

इस हादसे के बाद राजनीतिक जगत से लगातार शोक संदेश सामने आ रहे हैं। दिल्ली से भी कई वरिष्ठ नेता एनसीपी संस्थापक शरद पवार के निवास की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली है।

बारामती के पास लैंडिंग के दौरान हादसा

जानकारी के अनुसार अजित पवार का विमान सुबह करीब 8 बजे मुंबई से उड़ा था और बारामती में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर आग, धुआं और विमान के क्षत-विक्षत हिस्से नजर आए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने पुष्टि की है कि विमान में सवार सभी लोगों की इस हादसे में मौत हो गई।

UGC के नए नियमों पर क्या है नगीना सांसद का रुख? चंद्रशेखर आजाद ने साफ किया अपना पक्ष

नई दिल्ली। यूजीसी के नए नियमों को लेकर देशभर में जारी विवाद के बीच आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने यूजीसी के नए नियमों का खुलकर समर्थन किया है और कहा है कि इसका विरोध करने वाले लोग समाज को गुमराह कर रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि इन नियमों को कमजोर नहीं, बल्कि और सख्त किए जाने की जरूरत है। नगीना सांसद ने एबीपी न्यूज़ से बातचीत करते हुए यूजीसी की गाइडलाइंस का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जो लोग इन नियमों का विरोध कर रहे हैं, वे खुद भ्रम में हैं या दूसरों को भ्रमित कर रहे हैं। यूजीसी की गाइडलाइंस के बारे में विरोध करने वालों को सही जानकारी ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इन नियमों में ऐसा कुछ नहीं है जिससे किसी को डरने की जरूरत हो, बल्कि इन्हें और कड़ा किया जाना चाहिए।

यूजीसी के नए नियमों को लेकर बवाल तेज

इससे पहले आगरा में आयोजित आज़ाद समाज पार्टी की एक रैली में भी चंद्रशेखर आजाद ने यूजीसी के नए नियमों का स्वागत किया था। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यूजीसी के नए नियम हाल ही में लागू हुए हैं और इस समय चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन नियमों का विरोध वही लोग कर रहे हैं, जो जाति के आधार पर एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्रों का शोषण करते आए हैं। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि इन नियमों से किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। परेशानी सिर्फ उन्हें है, जो 'द्रोणाचार्य की तरह एकलव्य का अंगूठा काटना चाहते हैं'। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कुछ मुट्ठीभर लोगों के दबाव में आकर यूजीसी का फैसला वापस लिया गया, तो देश के 75 प्रतिशत बहुजन समाज के लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। गौरतलब है कि यूजीसी के नए नियमों को लेकर लगातार विरोध-प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। खासकर सवर्ण समाज के कुछ वर्ग इन नियमों का विरोध कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में कई संगठनों ने इसके खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है। इसी बीच बरेली के एसडीएम अलंकार अग्निहोत्री ने भी इन नियमों के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों पर FIR के आदेश पर कोर्ट सख्त, मांगी अनुपालन रिपोर्ट

यूपी। संभल की शाही जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले में अदालत ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर अमल न होने को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय ने तत्कालीन एएसपी अनुज चौधरी, इंस्पेक्टर अनुज तोमर समेत 20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के पूर्व आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने संबंधित थाने को 2 फरवरी 2026 तक यह स्पष्ट करने को कहा है कि अब तक मुकदमा दर्ज क्यों नहीं किया गया। यह मामला 24 नवंबर 2024 का है, जब न्यायालय के आदेश पर शाही जामा मस्जिद का सर्वे कराया जा रहा था। इसी दौरान हिंसा भड़क गई थी। संभल कोतवाली क्षेत्र के नई सराय निवासी यामीन पुत्र शराफत अली ने आरोप लगाया था कि सर्वे के दौरान पुलिस फायरिंग में उनके बेटे आलम को गोली लगी थी। इस पर 9 जनवरी 2026 को तत्कालीन सीजेएम विभांशु सुधीर ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। बाद में सीजेएम के स्थानांतरण के बाद वादी की बेटी की ओर से अधिवक्ता नूरजहां ने अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल कर बताया कि आदेश के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। साथ ही चेतावनी दी गई कि आदेश की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। मामले पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने आख्या रिपोर्ट तलब की है। वहीं, एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि न्यायालय में संबंधित फाइल प्रस्तुत कर दी गई है।

अजित पवार के निधन पर गोविंद सिंह डोटासरा का बयान, सियासी हलचल तेज होने के आसार

जयपुर । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार (28 जनवरी) सुबह विमान हादसे में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सामने आते ही पूरे देश में शोक की लहर फैल गई। राजनीतिक जगत से लगातार संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। इसी बीच राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का बयान सामने आया है, जिसे लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो सकती है। गोविंद डोटासरा ने कहा कि इससे बड़ी और गंभीर बात क्या हो सकती है कि विजय रूपाणी का विमान हादसा, देश के सीडीएस विपिन रावत का हादसा और अब अजित पवार का विमान दुर्घटना—इन तीनों मामलों में अब तक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

हादसों को लेकर डोटासरा ने पीएम और गृह मंत्री से की मांग

गोविंद सिंह डोटासरा ने इन तीनों विमान हादसों को लेकर अपनी मांग स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इन सभी हादसों की निष्पक्ष जांच कराकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि देश को सच्चाई का पता चल सके।

अजित पवार के निधन पर जताई संवेदना

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर गोविंद डोटासरा ने सोशल मीडिया के जरिए शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपनी 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि बारामती विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित छह लोगों की असमय मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण है। गोविंद सिंह डोटासरा ने आगे लिखा कि पवार परिवार और सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस कठिन समय में परिवार को संबल प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि अजित पवार के निधन से राजनीतिक गलियारों सहित पूरे देश में शोक का माहौल है।

अजित पवार के निधन पर राजकीय शोक की घोषणा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीन दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है। उन्होंने अजित पवार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं भी प्रकट की हैं।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार के निधन पर सार्वजनिक छुट्टी और तीन दिन के शोक की घोषणा की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार सुबह एक विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद राज्य में छुट्टी और तीन दिन के शोक की घोषणा की। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम फडणवीस ने कहा कि पवार के अंतिम संस्कार का फैसला उनके परिवार से सलाह लेने के बाद किया जाएगा।

पूरे महाराष्ट्र में दुख की लहर

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि "आज हमने राज्य में छुट्टी घोषित की है और तीन दिन के राजकीय शोक की भी घोषणा की गई है। यह पूरे महाराष्ट्र राज्य के लिए पूरी तरह से अपूरणीय क्षति है।"अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, फडणवीस ने कहा कि पूरे महाराष्ट्र में "दुख की लहर" है। उन्होंने पवार को एक मेहनती नेता के रूप में याद किया और राज्य के लिए उनके योगदान को याद किया।

यह महाराष्ट्र के लिए एक कठिन दिन

इस दुखद घटना को व्यक्तिगत क्षति बताते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "अजित दादा एक मेहनती नेता थे और किसी भी परिस्थिति में नहीं डगमगाते थे। यह महाराष्ट्र के लिए एक कठिन दिन है। ऐसी नेतृत्व क्षमता विकसित होने में समय लगता है। महाराष्ट्र के विकास में उनका बड़ा योगदान था। उनका निधन चौंकाने वाला है, और मेरे लिए यह एक

व्यक्तिगत क्षति है; एक दोस्त मुझे छोड़कर चला गया है। यह परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति है।"

सीएम फडणवीस ने कहा- 'पीएम मोदी और अमित शाह ने मुझसे इस बारे में बात की'

साथ ही देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा, "मैं और एकनाथ शिंदे बहुत जल्द बारामती के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मुझसे इस बारे में बात की है, और दोनों ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। इस घटना से पूरे महाराष्ट्र में दुख की लहर फैल गई है। उनके अंतिम संस्कार का फैसला परिवार से चर्चा के बाद किया जाएगा। मैंने सुप्रिया ताई (सुप्रिया सुले) और पार्थ पवार से बात की है। एक बार जब हम बारामती पहुंच जाएंगे, तो हम परिवार के सदस्यों से बात करेंगे, और फिर हम उनके अंतिम संस्कार के बारे में कुछ तय करेंगे।"

बारामती अस्पताल के बाहर भारी भीड़

बारामती अस्पताल के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई है, जहां अजित पवार के पार्थिव शरीर को लाया गया है। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी (एससीपी) सांसद और अजित पवार की चचेरी बहन सुप्रिया सुले, साथ ही पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और बेटे पार्थ पवार नई दिल्ली से बारामती के लिए रवाना हो गए हैं। एनसीपी प्रमुख का बुधवार सुबह मुंबई से बारामती जाते समय एक चार्टर प्लेन दुर्घटना में निधन हो गया। वह 27 जनवरी को मुंबई में थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट कमेटी ऑन इंफ्रास्ट्रक्चर की बैठक में हिस्सा लिया। 66 साल के अजित पवार अनुभवी राजनेता और NCP के संस्थापक शरद पवार के भतीजे और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के चचेरे भाई थे। अजित पवार महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक गैर-लगातार सेवा करने वाले उपमुख्यमंत्री थे। उन्होंने अलग-अलग सरकारों में छह बार इस पद पर काम किया। उन्होंने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे की कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री के तौर पर काम किया था। उनके परिवार में उनकी पत्नी, सुनेत्रा पवार और दो बेटे, जय और पार्थ पवार हैं।

एक और बड़ा हादसा टला, एयर इंडिया विमान की लैंडिंग असफल, पूर्व डिप्टी CM और कांग्रेस प्रभारी सुरक्षित

जयपुर । 28 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार के विमान हादसे के बाद अब जयपुर में एयर इंडिया के विमान की लैंडिंग फेल होने का मामला सामने आया है। इस विमान में पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सवार थे। एयर इंडिया का यह विमान दिल्ली से जयपुर की उड़ान पर था।

दूसरी कोशिश में कराई गई सुरक्षित लैंडिंग

एयर इंडिया का विमान AI-1719 दोपहर करीब 1 बजकर 5 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहा था। जैसे ही विमान रनवे पर पहुंचा, लैंडिंग असफल हो गई। इसकी वजह रनवे की स्थिति या किसी तकनीकी खराबी को बताया जा रहा है। पहले प्रयास के दौरान अनस्टेबल अप्रोच होने के कारण विमान को उतारा नहीं गया। पायलट ने रनवे को छूते ही गो-अराउंड का फैसला लिया। करीब 10 मिनट तक हवा में चक्कर लगाने के बाद दूसरी कोशिश में विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। विमान में सवार सुखजिंदर सिंह रंधावा पूरी तरह सुरक्षित हैं।

गो-अराउंड क्या होता है?

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, उड़ान संचालन के दौरान ऐसी स्थिति पूरी तरह सुरक्षा मानकों के दायरे में आती है। यदि किसी भी कारण से पायलट को लैंडिंग सुरक्षित नहीं लगती, तो वह विमान को दोबारा हवा में ले जाने का निर्णय ले सकता है। इस प्रक्रिया को ही 'गो-अराउंड' कहा जाता है।

कुछ घंटे पहले हुआ था अजित पवार का विमान हादसा

28 जनवरी 2026 की सुबह अजित पवार बारामती के लिए रवाना हुए थे। उनका चार्टर्ड विमान (लियरजेट 45) पुणे जिले के बारामती क्षेत्र में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में कुल 5 लोग सवार थे, जिनमें अजित पवार के साथ दो स्टाफ सदस्य, दो पायलट और एक क्रू मेंबर शामिल थे। हादसे में विमान रनवे से फिसल गया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में सभी पांचों लोगों की मौत हो गई। अजित पवार वर्तमान सरकार में वित्त और योजना मंत्री थे और अगले महीने 23 फरवरी से शुरू होने वाले राज्य विधानमंडल के बजट सत्र में 2026-27 का बजट पेश करने वाले थे।

'शोक के समय राजनीति न करें', ममता बनर्जी पर कंगना रनौत का तंज

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में निधन के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष लगातार मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और तीखी हो गई है।

ममता के बयान पर कंगना रनौत की कड़ी प्रतिक्रिया

ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में इस तरह की बयानबाजी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

'शोक के समय संयम जरूरी'

कंगना रनौत ने कहा, "हम सभी लोग शोक में हैं क्योंकि इतना बड़ा हादसा सुबह-सुबह हो गया। संसद में हर कोई इस घटना के बारे में बात कर रहा है, क्योंकि हममें से कई लोग चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर से यात्रा करते हैं। यह घटना किसी के लिए भी डरावनी हो सकती है। ऐसे समय पर इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए। थोड़ा तो संयम बनाए रखना चाहिए।"

कंगना ने अजित पवार के निधन पर जताया दुख

इससे पहले कंगना रनौत ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते

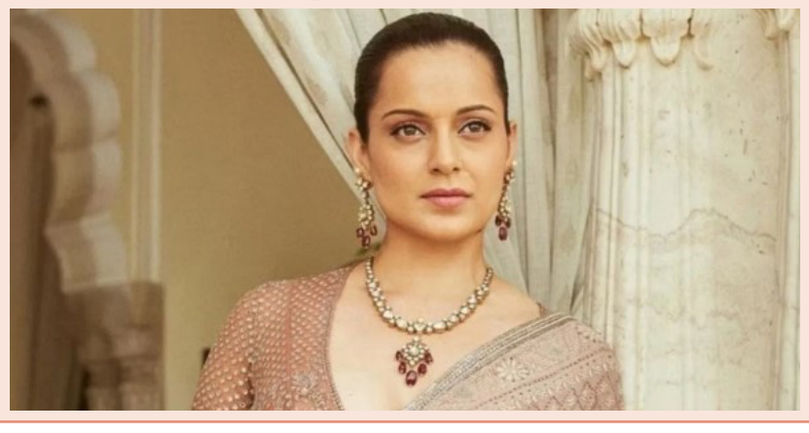

हुए कहा था कि यह घटना बेहद पीड़ादायक और दिल दहला देने वाली है।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद ममता बनर्जी ने शोक जताने के साथ-साथ केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि अजित पवार के विमान की तकनीकी जांच क्यों नहीं की गई और बारामती जैसी सुरक्षित लैंडिंग जगह पर हादसा कैसे हुआ।

सुप्रीम कोर्ट से जांच की मांग

बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि अजित पवार भाजपा के साथ खुश नहीं थे और जल्द ही अपने चाचा शरद पवार के साथ नई राजनीतिक पारी शुरू करने वाले थे। ऐसे में उनका आकस्मिक निधन कई सवाल खड़े करता है और मामले की गहराई से जांच जरूरी है। इसलिए इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होनी चाहिए।

अन्य नेताओं ने भी उठाई जांच की मांग

ममता बनर्जी के अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि इतने बड़े पद पर बैठे नेता के साथ हुआ हादसा साजिश भी हो सकता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ईयू–भारत डील: ट्रम्प को शालीन जवाब

अमेरिका की आक्रामक व्यापार नीति और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ, दबाव और रोज़मर्रा की धमकियों ने जिस तरह से दशकों से चली आ रही वैश्विक व्यवस्था को झकझोर दिया, उसने दुनिया को नए विकल्प तलाशने पर मजबूर कर दिया। मुक्त व्यापार, बहुपक्षीय सहयोग और आपसी भरोसे पर टिकी विश्व-व्यवस्था अचानक अस्थिर लगने लगी। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच लंबे समय से अटकी व्यापार डील का आखिरकार मुकम्मल होना केवल एक आर्थिक समझौता नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक संतुलन का स्पष्ट संकेत है। करीब 19 वर्षों से भारत और 27 देशों के संगठन ईयू के बीच यह ट्रेड डील उबड़-खाबड़ रास्तों पर आगे बढ़ रही थी। अलग-अलग हित, नियम-कायदे और वैश्विक परिस्थितियां इसे बार-बार रोकती रहीं। लेकिन ट्रम्प के दौर में अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और व्यापार युद्धों ने ईयू को यह सोचने पर मजबूर किया कि वह अपनी आर्थिक और सामरिक स्वायत्तता को कैसे मज़बूत करे। इसी संदर्भ में भारत एक स्वाभाविक और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा। इस समझौते के बाद भारत को 22.9 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी वाले विशाल यूरोपीय बाजार तक अपेक्षाकृत आसान पहुंच मिलेगी। भारतीय कृषि और उससे जुड़ी वस्तुएं, टेक्सटाइल, मेटलर्जी और अन्य औद्योगिक उत्पाद ईयू देशों में अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर पहुंच सकेंगे। इसका सीधा लाभ भारतीय किसानों, कारीगरों और उद्योगों को होगा। दूसरी ओर भारत को ईयू की हाई-एंड कारें, उन्नत तकनीक, रक्षा उपकरण और शराब जैसे उत्पाद कम दरों पर मिल सकेंगे, जिससे घरेलू बाजार में गुणवत्ता और विकल्प दोनों बढ़ेंगे। इस डील का एक अहम पहलू भारतीय टैलेंट के लिए ईयू में खुलने वाले नए अवसर हैं। शिक्षा, रिसर्च, तकनीक और हेल्थ सेक्टर में भारतीय पेशेवरों के लिए नए दरवाज़े खुलेंगे। यह केवल रोजगार का सवाल नहीं, बल्कि ज्ञान और कौशल के आदान-प्रदान से भारत की दीर्घकालिक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इस समझौते में रूस से तेल खरीदने पर कोई शर्त नहीं रखी गई है और न ही नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को लेकर भारत पर किसी तय समय-सीमा का दबाव डाला गया है। ईयू नेतृत्व यह मानता है कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पहले से ही गंभीर प्रयास कर रहा है, जो कई विकसित देशों से भी अधिक प्रभावी हैं। यह दृष्टिकोण भारत के लिए सम्मान और विश्वास का संकेत है। असल में यह डील ट्रम्प को एक शालीन लेकिन स्पष्ट जवाब भी है। ट्रम्प को उम्मीद थी कि उनके इशारों पर ईयू भारत पर यह आरोप लगाएगा कि वह रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में परोक्ष रूप से मदद कर रहा है और इसी बहाने भारत से दूरी बना लेगा। लेकिन अमेरिका द्वारा ईयू और नाटो के साथ किए गए बार-बार के अपमान ने यूरोप को यह समझा दिया कि उसे अपने फैसले खुद लेने होंगे। भारत के साथ खड़ा होना उसी आत्मसम्मान और स्वतंत्र सोच का नतीजा है।

नया गुटनिरपेक्ष आंदोलन क्यों जरूरी है: ट्रम्प युग, मिडिल पावर देशों की बेचैनी और बदलती वैश्विक सत्ता राजनीति

-अमेरिका-चीन के दबाव के बीच मिडिल पावर देशों के लिए साझा राह और नए वैश्विक संतुलन की तलाश

साल 2006 में जब वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) दावोस में आयोजित हुआ था, तब भारत की मौजूदगी किसी उत्सव से कम नहीं थी। भारत सरकार और कॉरपोरेट जगत ने मिलकर 'इंडिया एवरीव्हेयर' नाम से भव्य आयोजन प्रायोजित किया। दावोस में भारतीय मंडप, चमक-दमक, पार्टियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत और खुले दिल से बांटे गए उपहार—सब कुछ इस बात का संकेत था कि भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उस दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही थी। 'टेक सेक्टर' भारत का चमकता सितारा था। आईटी, आउटसोर्सिंग और स्टार्टअप्स की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी। भारत को भविष्य की महाशक्ति के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन 2026 में दावोस का नज़ारा बिल्कुल अलग था। भारत के नौ राज्यों ने अपने-अपने मंडप लगाए थे, छह मुख्यमंत्री मौजूद थे, पर माहौल में वह आत्मविश्वास नहीं था जो 2006 में दिखता था। भारत वैश्विक मीडिया में लगभग गायब था—सिवाय अपने ही टीवी चैनलों के। यह बदलाव सिर्फ भारत का नहीं था। यह पूरी दुनिया के बदलते सत्ता-संतुलन की कहानी थी।

बदलती दुनिया और उलटते रिश्ते

आज दुनिया उस मोड़ पर खड़ी है, जहां पुराने गठबंधन ढीले पड़ चुके हैं और नए समीकरण अभी आकार ले रहे हैं। जब जी-7 के पांच बड़े नेता भारत के साथ व्यापार समझौतों की खुलकर बात कर रहे थे, तब सीना ठोकने की कोई ज़रूरत नहीं थी। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने भारत-ईयू व्यापार समझौते को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा। यह वही उर्सुला थीं, जिन्होंने कुछ समय पहले यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख की आलोचना की थी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का भाषण इस बदलती दुनिया का सबसे स्पष्ट उदाहरण था। उन्होंने भारत के साथ व्यापार समझौते को भविष्य की अनिवार्यता बताया। यह वही कनाडा है, जहां जस्टिन ट्रूडो के दौर में भारत से बातचीत तक रोक दी गई थी। दुनिया कितनी तेजी से बदल रही है, इसका अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है।

ट्रम्प फैक्टर: वैश्विक अव्यवस्था की धुरी

दावोस में इस बार सबसे ज़्यादा चर्चा डोनाल्ड ट्रम्प और उनके करीबी माने जाने वाले हॉवर्ड लुटनिक, स्कॉट बेसेंट और इलॉन मस्क जैसे लोगों की रही। ऐसा लग रहा था मानो पूरी वैश्विक व्यवस्था ट्रम्प के इर्द-गिर्द उलझ गई हो। ट्रम्प की राजनीति टकराव पर आधारित है। वे बहुपक्षीय संस्थाओं से नफ़रत करते हैं। नाटो, डब्ल्यूएचओ, डब्ल्यूटीओ, पेरिस जलवायु समझौता, संयुक्त राष्ट्र—सब उन्हें अमेरिकी प्रभुत्व के रास्ते में बाधा लगते हैं। उनका सिद्धांत साफ़ है—हर देश से अलग-अलग बात करो, समूहों से नहीं। ग्रीनलैंड को लेकर उनका रुख, यूक्रेन पर दबाव, और यूरोप के प्रति तिरस्कार—ये सब उसी 'कोरलेओन सिद्धांत' की मिसाल हैं: "मैं तुम्हें ऐसा ऑफर दूंगा, जिसे तुम ठुकरा नहीं सकोगे।" चीन को छोड़ दें, तो आज दुनिया का शायद ही कोई देश ट्रम्प से बराबरी की हैसियत में बात कर सकता है।

'ट्रम्प पीड़ित' देश और नई खोज

ट्रम्प के इस आक्रामक रवैये का एक अनचाहा नतीजा यह निकला कि अमेरिका के पारंपरिक, अमीर और विकसित सहयोगी खुद को असहज महसूस करने लगे। यूरोप, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया—सबको लगने लगा कि अमेरिका अब भरोसेमंद साझेदार नहीं रहा। यही वह बिंदु है, जहां एक नया विचार जन्म लेता है— 'ट्रम्प पीड़ित गठजोड़'। ये वे देश हैं जो न तो चीन के खेमे में जा सकते हैं, न ही अमेरिका की दादागीरी को चुपचाप सहने को तैयार हैं।

मिडिल पावर का उदय

आज अगर हम दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं को देखें, तो अमेरिका और चीन के बाद जो देश आते हैं, वे हैं—
जर्मनी, जापान, भारत, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, कनाडा और रूस। इनमें से अधिकांश को 'मिडिल पावर' कहा जा सकता है—ऐसे देश जो न तो महाशक्ति हैं, न ही कमज़ोर। इनके पास आर्थिक ताकत है, तकनीक है, कूटनीतिक अनुभव है और सबसे अहम—स्वाभिमान है। ब्राज़ील, मैक्सिको, स्पेन, दक्षिण कोरिया जैसे देश भी इसी श्रेणी में आते हैं। ये सभी देश आज अपनी वैश्विक भूमिका पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

अमेरिका पर भरोसा क्यों टूटा?

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने जिन बहुपक्षीय संस्थाओं को खड़ा किया था, आज वही संस्थाएं अमेरिका की उपेक्षा का शिकार हैं। ट्रम्प की नज़र में ये संस्थाएं अमेरिकी ताकत को सीमित करती हैं। वे नियमों की जगह दबाव की राजनीति करते हैं। संकेतों की जगह आंखों में आंखें डालकर बात करते हैं। नतीजा यह है कि 'मिडिल पावर' देश खुद को बेसहारा महसूस कर रहे हैं।

क्या नया गुटनिरपेक्ष आंदोलन संभव है?

यहां इतिहास हमें 1950-60 के दशक के गुटनिरपेक्ष आंदोलन की याद दिलाता है। लेकिन वह आंदोलन कई कारणों से एक ठोस शक्ति नहीं बन पाया। पहला—वह सैद्धांतिक था, व्यावहारिक नहीं। दूसरा—उसमें वास्तविक मिडिल पावर देश शामिल नहीं थे। तीसरा—भारत, जो उसका नेतृत्व कर रहा था, खुद आर्थिक और सैन्य रूप से कमज़ोर था। और अंततः भारत भी सोवियत संघ के करीब चला गया। लेकिन आज हालात बिल्कुल अलग हैं।

नया गुटनिरपेक्ष आंदोलन: कैसा हो?

आज अगर नया गुटनिरपेक्ष आंदोलन बनता है, तो वह विचारधारा पर नहीं, व्यावहारिकता पर आधारित होगा। यह अमेरिका और चीन—दोनों से व्यापार करेगा, लेकिन झुकेगा नहीं। यह अकेले नहीं, समूह के रूप में मोलभाव करेगा। मार्क कार्नी के शब्दों में— "अगर हम खाने की मेज़ पर नहीं होंगे, तो हम मेनू बन जाएंगे।" यही इस नए आंदोलन का मूल मंत्र हो सकता है।

बहुपक्षीय संस्थाओं की कमजोरी

आज जी-7, जी-20, नाटो और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही हैं। दूसरी ओर ब्रिक्स और एससीओ पर चीन का दबदबा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मिडिल पावर देशों के पास विकल्प सीमित हैं।

भारत की भूमिका

भारत के लिए यह स्थिति चुनौती भी है और अवसर भी। भारत न तो घुटने टेकने वाला देश है, न ही किसी का पिछलग्गू। भारत की जनता स्वाभिमान को सबसे ऊपर रखती है। यह वही देश है, जहां कमजोर और आत्मसमर्पण करने वाले नेताओं की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलती। भारत अगर जर्मनी, फ्रांस, जापान, कनाडा और अन्य मिडिल पावर देशों के साथ मिलकर एक नया मंच तैयार करता है, तो यह वैश्विक राजनीति में संतुलन ला सकता है।

आशावाद बनाम निराशावाद

दावोस में इलॉन मस्क ने कहा था— "निराशावादी और सही होने से बेहतर है, आशावादी और गलत होना।" आज की दुनिया में यही सोच आगे ले जा सकती है। दुनिया एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। अमेरिका पर भरोसा टूट चुका है। चीन पर निर्भरता खतरनाक है। ऐसे में मिडिल पावर देशों का एक नया, व्यावहारिक, आत्मसम्मान आधारित गुटनिरपेक्ष आंदोलन ही शायद स्थिरता की आखिरी उम्मीद है। यह कोई आदर्शवादी सपना नहीं, बल्कि समय की मांग है। नए गुटनिरपेक्ष आंदोलन की सबसे बड़ी ताक़त यह हो सकती है कि वह वैश्विक राजनीति में चुप बहुमत को आवाज़ दे। आज दुनिया के ज़्यादातर देश किसी महाशक्ति की छाया में जी रहे हैं—कभी सुरक्षा के नाम पर, कभी निवेश के बहाने, तो कभी तकनीक और बाज़ार की मजबूरी में। लेकिन इस निर्भरता की कीमत धीरे-धीरे उनकी रणनीतिक स्वतंत्रता चुकाती है। मिडिल पावर देशों की बेचैनी इसी कीमत से उपजी है। यह नया मंच सैन्य गठबंधन नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोग का ढांचा होगा—जहां सप्लाई चेन, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और जलवायु वित्त जैसे मुद्दों पर साझा नीति बने। इसका उद्देश्य किसी के ख़िलाफ़ खड़ा होना नहीं, बल्कि अपने लिए स्पेस बनाना होगा। यह आंदोलन छोटे देशों के लिए भी ढाल बनेगा, जो अक्सर महाशक्तियों के टकराव में पिस जाते हैं। भारत के पास यहां ऐतिहासिक विश्वसनीयता भी है और वर्तमान क्षमता भी। 21वीं सदी का भारत वह नहीं है जो 1961 में बेलग्रेड गया था। आज भारत बाज़ार भी है, शक्ति भी और आत्मविश्वास भी। अगर भारत नेतृत्व करता है, तो यह आंदोलन केवल संतुलन नहीं, बल्कि नई वैश्विक भाषा गढ़ सकता है—जहां दबाव नहीं, साझेदारी होगी: डर नहीं, गरिमा होगी।

नितिन नबीन की ताजपोशी से बदली भाजपा की दिशा, पार्टी सरकार और संघ के बीच नए तालमेल की शुरुआत

-संगठन से उभरे नेतृत्व पर भरोसा, कमजोर राज्यों में मजबूती और युवा राजनीति पर फोकस

भारतीय जनता पार्टी इस समय अपने संगठनात्मक इतिहास के एक अहम मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। लंबे समय से सत्ता के केंद्र में रहने के बाद अब पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि पार्टी, सरकार और संघ के बीच बेहतर तालमेल कायम रखना है। इसी पृष्ठभूमि में भाजपा ने अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन को चुना है। यह फैसला केवल एक नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि पार्टी की कार्यशैली और भविष्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बात कभी छिपाई नहीं कि भाजपा अब युवा पीढ़ी पर खास ध्यान देना चाहती है। नितिन नबीन की उम्र लगभग उतनी ही बताई जाती है, जितनी स्वयं भाजपा की उम्र है। यह संयोग नहीं, बल्कि एक सियासी संदेश भी है। पार्टी यह संकेत दे रही है कि वह अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए, संगठन से निकले कार्यकर्ताओं को फिर से केंद्र में लाना चाहती है।

गियर बदलती भाजपा

नितिन नबीन के चयन के साथ ही यह साफ हो गया है कि भाजपा ने अपना संगठनात्मक गियर बदल दिया है। बीते एक दशक में पार्टी का चेहरा मुख्य रूप से सरकार और सत्ता के इर्द-गिर्द घूमता रहा। निर्णयों का केंद्र प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्री अमित शाह रहे। संगठन की भूमिका कई बार सीमित होती दिखी। अब भाजपा उस संतुलन को दोबारा साधने की कोशिश कर रही है, जिसमें संगठन, सरकार और संघ—तीनों की स्पष्ट भूमिकाएं हों। एक तरह से पार्टी ने एक नई व्यवस्था स्थापित कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी और सरकार का चेहरा बने रहेंगे। रणनीतिक और चुनावी निगरानी की अहम जिम्मेदारी अमित शाह के पास रहेगी। वहीं नितिन नबीन को संगठन की रोज़मर्रा की कमान सौंपी गई है। उन्हें उस सेतु के रूप में देखा जा रहा है, जो पार्टी, सरकार और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच बेहतर संवाद और तालमेल कायम कर सके।

संगठन से निकला नेतृत्व

नितिन नबीन की सबसे बड़ी पहचान यही है कि वे संगठन से उभरे नेता हैं। वे किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते और न ही उन्हें किसी बड़े जननेता की विरासत मिली है। उन्होंने छात्र राजनीति, संगठनात्मक जिम्मेदारियों और विधानसभा चुनावों के जरिए खुद को स्थापित किया है। चार बार विधानसभा चुनाव जीतना उन्हें केवल एक चुनावी नेता नहीं, बल्कि जन-राजनीति की बारीक समझ रखने वाला कार्यकर्ता साबित करता है। संघ हमेशा से इस बात पर ज़ोर देता रहा है कि पार्टी की असली ताकत उसका संगठन और जमीनी कार्यकर्ता है। नबीन इसी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे संगठन के 'नट-बोल्ट' संभालने वाले नेता रहे हैं—कैडर प्रबंधन, बूथ स्तर की रणनीति, कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग और अनुशासन, ये सभी उनके अनुभव का हिस्सा हैं।

बिहार से आगे की भूमिका

हालांकि नितिन नबीन का राजनीतिक उदय बिहार से जुड़ा है, लेकिन उनकी भूमिका को केवल बिहार तक सीमित नहीं माना जा रहा। भाजपा को 2026 और 2027 में कई अहम राज्यों में विधानसभा चुनावों का सामना करना है। इनमें ऐसे राज्य भी शामिल हैं, जहां पार्टी अभी कमजोर स्थिति में है या जहां उसका संगठन अपेक्षित मजबूती हासिल नहीं कर पाया है। पूर्वी भारत और दक्षिण भारत लंबे समय से भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहे हैं। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में पार्टी अब भी अपने जनाधार को स्थायी रूप से मजबूत करने के प्रयास में जुटी है। नितिन नबीन को इन्हीं क्षेत्रों में संगठन को खड़ा करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की जिम्मेदारी दी गई है।

सामाजिक संतुलन का संदेश

नितिन नबीन की जातीय पृष्ठभूमि भी भाजपा की व्यापक सामाजिक रणनीति से जुड़ी मानी जा रही है। वे कायस्थ समुदाय से आते हैं, जिसे परंपरागत रूप से उच्च जातियों में गिना जाता है। बीते कुछ वर्षों में भाजपा ने ओबीसी और दलित राजनीति पर खास जोर दिया है। इससे उच्च जातियों के एक हिस्से में यह भावना पनपी कि पार्टी उनकी उपेक्षा कर रही है। नबीन की नियुक्ति के ज़रिये भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी सामाजिक संतुलन बनाए रखना चाहती है। पहचान-आधारित राजनीति के बीच वह सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की रणनीति पर कायम है।

भाजपा अध्यक्षों की परंपरा

भाजपा का अध्यक्ष पद हमेशा से पार्टी की दिशा तय करने वाला रहा है। 1980 में पार्टी की स्थापना के साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी पहले अध्यक्ष बने। उन्होंने 'गांधीवादी समाजवाद' का नारा देकर भाजपा को एक मध्यमार्गी पहचान देने की कोशिश की। यह दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' से अलग रास्ता था, लेकिन उद्देश्य पार्टी को व्यापक स्वीकार्यता दिलाना था। वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने पुराने जनसंघ को पुनर्जीवित करने के बजाय नई राजनीतिक पहचान गढ़ने का फैसला किया। 1984 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के केवल दो सीटों पर सिमट जाने के बाद वाजपेयी ने नेतृत्व आडवाणी को सौंप दिया। इसके साथ ही पार्टी में आडवाणी युग की शुरुआत हुई। आडवाणी तीन बार पार्टी अध्यक्ष बने और उनके नेतृत्व में भाजपा ने राम मंदिर आंदोलन के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में अपनी निर्णायक मौजूदगी दर्ज कराई। इसके बाद मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णमूर्ति, वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी जैसे नेताओं ने पार्टी की कमान संभाली।

अमित शाह और संगठन का विस्तार

2019 में अमित शाह के अध्यक्ष बनने के बाद भाजपा ने संगठनात्मक विस्तार का एक नया अध्याय लिखा। बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत किया गया। चुनाव प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स और माइक्रो-मैनेजमेंट भाजपा की पहचान बने। उनके बाद जेपी नड्डा अध्यक्ष बने, जिन्हें पार्टी के लिए 'भाग्यशाली' माना गया।

रेल बजट से बजट में रेलवे तक: वित्तीय सुधार, बुनियादी ढांचा निवेश और भारतीय रेलवे के भविष्य की निर्णायक दिशा

-केंद्रीय बजट में विलय के बाद रेलवे की उपलब्धियां, चुनौतियां और वित्तीय स्थिरता की जरूरत

विकास पटरी पर रहे, इसका दारोमदार रेल के पहियों पर—यह पंक्ति भारतीय रेलवे की ऐतिहासिक भूमिका को बख़ूबी बयान करती है। देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक एकता और औद्योगिक गतिविधियों को गति देने में रेलवे हमेशा से रीढ़ रहा है। वर्ष 2026 में यह दसवां मौका होगा जब रेल बजट को अलग से पेश करने के बजाय केंद्रीय बजट के भीतर रेलवे को स्थान दिया जाएगा। यह बदलाव सिर्फ एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि नीति, वित्त और विकास की सोच में आया एक बुनियादी परिवर्तन है।

औपनिवेशिक परंपरा का अंत

1924 से लेकर 2016 तक हर वर्ष रेलवे का अलग बजट पेश किया जाता था। यह परंपरा ब्रिटिश शासन के दौरान शुरू हुई थी, जब रेलवे को सरकार के अन्य विभागों से अलग, एक स्वतंत्र राजस्व इकाई के रूप में देखा जाता था। हर साल 25 फरवरी के आसपास रेल बजट आता, और उसके साथ अख़बारों में 'सौगातों' के विशेष परिशिष्ट छपते। नई ट्रेनों, किराया बढ़ोतरी या छूट, नई लाइनों और घोषणाओं की लंबी फेहरिस्त होती। 25 फरवरी 2016 को तत्कालीन रेल मंत्री द्वारा अंतिम स्वतंत्र रेल बजट पेश किया गया। इसके बाद 2017-18 के बजट में पहली बार रेल बजट को केंद्रीय बजट में मिला दिया गया। वित्त मंत्री ने संसद में स्पष्ट शब्दों में कहा कि "हम 1924 से चली आ रही औपनिवेशिक परंपरा को समाप्त कर रहे हैं।" इस एक वाक्य के साथ 'रेल बजट' इतिहास बन गया और उसकी जगह 'बजट में रेलवे' ने ले ली।

विलय का मतलब: सिर्फ औपचारिकता नहीं

रेल बजट का केंद्रीय बजट में विलय केवल तारीखों या भाषणों का बदलाव नहीं था। इसका असल मतलब था—रेलवे को सरकार की समग्र वित्तीय नीति के केंद्र में लाना। पहले रेलवे अपने घाटे और जरूरतों के लिए अलग से संसाधन तलाशता था। अब उसे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक विकास योजनाओं के साथ जोड़ा गया। इस विलय के बाद रेलवे में लोक-लुभावन घोषणाओं की जगह वित्तीय अनुशासन, बुनियादी ढांचा विकास, और समन्वित व्यवसायिक दृष्टिकोण पर ज़ोर बढ़ा। अब सवाल यह नहीं रहा कि कौन-सी नई ट्रेन शुरू होगी, बल्कि यह हो गया कि नेटवर्क कितना सुरक्षित, तेज़, आधुनिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ है।

2014–2024: निवेश और विस्तार का दशक

2014 से 2024 का दशक भारतीय रेलवे के लिए बड़े सुधारों और भारी निवेश का दौर रहा। इस दौरान कोविड जैसी अभूतपूर्व चुनौती भी आई, जिसने पूरी अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया। इसके बावजूद रेलवे का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। यदि 2004–2014 के दशक की तुलना 2014–2024 से की जाए, तो तस्वीर साफ दिखती है। 2014–24 के दौरान कुल माल ढुलाई लगभग 12,600 मिलियन टन रही, जबकि इससे पहले के दशक में यह 8,400 मिलियन टन थी। यानी माल ढुलाई में करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी। सकल बजटीय सहायता (GBS) का आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। 2004–14 में रेलवे को जहां लगभग 1.56 लाख करोड़ रुपये की जीबीएस मिली थी, वहीं 2014–24 में यह बढ़कर करीब 8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह बढ़ा हुआ निवेश नई लाइनों, दोहरीकरण, तिहरीकरण, विद्युतीकरण, स्टेशन पुनर्विकास और सुरक्षा कार्यों में साफ दिखाई देता है।

राजस्व में बड़ा उछाल

रेलवे के कुल राजस्व में भी इस दशक में बड़ा इजाफा हुआ। 2014–24 के दौरान रेलवे का कुल राजस्व 18.5 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले के दशक में यह 8.6 लाख करोड़ रुपये था। यह बढ़ोतरी केवल किराए या माल ढुलाई की वजह से नहीं, बल्कि बेहतर संचालन, डिजिटलीकरण और लागत नियंत्रण का नतीजा भी है। पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी से रेलवे ने नई लाइनों का निर्माण तेज़ किया, बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण किया, आधुनिक रोलिंग स्टॉक जोड़ा और सुरक्षा से जुड़े कई पुराने लंबित कार्य पूरे किए। लेवल क्रॉसिंग का उन्मूलन, स्वचालित सिग्नलिंग और आधुनिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम इसी का हिस्सा हैं।

हालिया बजट और रेलवे

2024–25 के केंद्रीय बजट में बुनियादी ढांचा विकास के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया, जिसमें से रेलवे को 2.52 लाख करोड़ रुपये मिले। 2025–26 के बजट में भी रेलवे को लगभग इतनी ही राशि आवंटित की गई। यह दिखाता है कि सरकार की प्राथमिकता सूची में रेलवे आज भी शीर्ष पर है। हालांकि अब एक नया संकेत भी साफ है—भविष्य के आवंटन सिर्फ जरूरतों पर नहीं, बल्कि आवंटित राशि के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करेंगे। यानी पैसे के साथ-साथ परिणाम भी उतने ही अहम होंगे।

यात्री बनाम माल ढुलाई: असंतुलित गणित

भारतीय रेलवे की वित्तीय संरचना का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि यात्री सेवाओं से कुल राजस्व का केवल एक-तिहाई ही आता है, जबकि दो-तिहाई राजस्व माल ढुलाई से प्राप्त होता है। सामाजिक दायित्व के तहत रेलवे सस्ती यात्री सेवाएं देता है, लेकिन इसका आर्थिक बोझ भारी है। कम किराए पर यात्री सेवा देने से रेलवे को हर साल 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होता है। इस घाटे की भरपाई माल ढुलाई से की जाती है, जिसे क्रॉस सब्सिडाइजेशन कहा जाता है। यही वजह है कि भारतीय रेलवे में माल ढुलाई दरें अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में अधिक हैं।

लक्ष्य और हकीकत का फर्क

वित्त वर्ष 2024–25 में यात्री सेवाओं से रेलवे ने 80 हजार करोड़ रुपये की आय का अनुमान लगाया था, लेकिन वास्तविक आय लगभग 75 हजार करोड़ रुपये ही रही। इसी तरह माल ढुलाई से अनुमानित 1.80 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये ही मिल पाए।

राजस्थान बनेगा एयरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का नया हब

-देश के एयरोस्पेस-डिफेंस विनिर्माण क्षेत्र में राज्य का बढ़ेगा योगदान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बहुआयामी विकास नीति के साथ कार्य कर रही है। कृषि, ऊर्जा, पेयजल, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, चिकित्सा, उद्योग जैसे क्षेत्रों में प्रगति की रफ्तार बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसके साथ ही,एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण तथा सेवाओं में राज्य की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने एवं राष्ट्र की एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण उपलब्धियों में राजस्थान के योगदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस नीति लाई है। यह नीति प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण हब बनाने की दिशा में सहायक होगी। इस क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर केन्द्रित यह नीति आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगी। इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकाइयों और मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवरहॉलिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

विनिर्माण परियोजनाओं और सर्विस सेक्टर को बांटा जाएगा तीन-तीन श्रेणियों में-

इस नीति के अन्तर्गत विनिर्माण परियोजनाओं को न्यूनतम 50 करोड़ रूपये से 300 करोड़ रूपये तक अचल पूंजी निवेश करने पर लार्ज, 300 करोड़ से 1 हजार करोड़ रूपये के निवेश पर मेगा और 1 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश पर अल्ट्रा मेगा परियोजना की श्रेणी में रखा जाएगा। वहीं, सर्विस सेक्टर के लिए 25 करोड़ से 100 करोड़ रूपये तक अचल पूंजी निवेश वाली परियोजनाएं लार्ज, 100 करोड़ से 250 करोड़ रूपये तक मेगा और 250 करोड़ से अधिक के निवेश वाली परियोजनाएंअल्ट्रा मेगा की श्रेणी में रखी जाएंगी।

विनिर्माण और सर्विस सेक्टर परियोजनाओं को मिलेंगे विभिन्न लाभ-

नीति के तहत ए एण्ड डी पार्कों में लगने वाले पात्र एयरोस्पेस एवं डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव के रूप में 7 वर्षों तक राज्य कर के 75 प्रतिशत पुनर्भरण का निवेश अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, विनिर्माण उद्यमों के लिए 20 से 28 प्रतिशत और सर्विस सेक्टर के लिए 14 से 20 प्रतिशत तक 10 वर्षों में वितरित पूंजीगत अनुदान अथवा 10 वर्षों तक वार्षिक किश्तों में देय 1.2 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक टर्नओवर लिंक्ड प्रोत्साहन में से किसी एक विकल्प का चयन करने की सुविधा दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त इन प्रोत्साहनों पर टॉप-अप के रूप में 10 से 15 प्रतिशत एम्प्लॉयमेंट बूस्टर, पहली तीन मेगा अथवा अल्ट्रा मेगा इकाइयों के लिए 25 प्रतिशत सनराइज बूस्टर, 10 प्रतिशत एंकर बूस्टर, 20 प्रतिशत थ्रस्ट बूस्टर जैसे लाभ भी प्रदान किए जाएंगे। रीको से भूमि लेने वाले मेगा, अल्ट्रा मेगा विनिर्माण उद्यमों को 10 वर्षों तक फ्लेक्जिबल लैण्ड पेमेंट और 5 वर्षों के लिए 25 प्रतिशत ऑफिस स्पेस हेतु लीज रेन्टल सब्सिडी का लाभ भी देय होगा।

निवेशकों के लिए विशेष इन्सेंटिव्स के प्रावधान-

पॉलिसी में विशेष इन्सेंटिव्स का भी प्रावधान किया गया है, जिनमें बैंकिंग, व्हीलिंग और ट्रांसमिशन चार्जेज में छूट, फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल, ऑफिस-स्पेस लीज रेंटल सब्सिडी तथा कैप्टिव पावर प्लांट में किए गए निवेश का 51 प्रतिशत पात्र स्थायी पूंजीगत निवेश में शामिल करना शामिल है। इसके साथ ही उद्योगों को दीर्घकालिक राहत देने के लिए 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क से शत प्रतिशत छूट, 7 वर्षों तक मंडी शुल्क अथवा बाजार शुल्क का शत प्रतिशत पुनर्भरण, स्टाम्प शुल्क, रूपांतरण शुल्क में 75 प्रतिशत छूट तथा 25 प्रतिशत पुनर्भरण की व्यवस्था भी की गई है। ग्रीन इन्सेंटिव, स्किल एवं ट्रेनिंग इन्सेंटिव तथा इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी क्रिएशन इन्सेंटिव जैसे प्रावधान इस नीति को और अधिक आकर्षक बनाते हैं।

विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल का हुआ अभिनंदन

-राज्यपाल ने सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र में अभिभाषण दिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र में बुधवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 2026 का अभिभाषण दिया। इससे पहले राज्यपाल बागडे के विधानसभा पहुंचने पर उनका विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने स्वागत किया। राज्यपाल बागडे को विधानसभा के मुख्य द्वार पर आरएसी बटालियन द्वारा सलामी दी गई। बाद में राज्यपाल बागडे को अभिभाषण के लिए सदन में प्रोसेशन में ले जाया गया। राज्यपाल ने विधानसभा में एक घंटे 21 मिनिट 23 सेकेंड में अपना अभिभाषण पूरा किया।

टीकाराम जूली ने राज्यपाल के अभिभाषण को बताया झूठ का दस्तावेज, बोले— किरोड़ीलाल सब जानते हैं, इसलिए मुस्करा रहे थे

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बुधवार (28 जनवरी) को राज्यपाल द्वारा दिए गए अभिभाषण को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झूठ से भरा करार दिया। उन्होंने कहा कि अभिभाषण के दौरान कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा लगातार मुस्करा रहे थे, क्योंकि उन्हें भी पता था कि राज्यपाल से असत्य बातें पढ़वाई जा रही हैं। इस दौरान जूली ने सरकार के कामकाज पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर कोई काम नहीं हुआ और ईआरसीपी को लेकर भी अभिभाषण में कुछ नहीं कहा गया, क्योंकि वास्तव में कुछ हुआ ही नहीं है।

कानून-व्यवस्था भी बदहाल है— जूली

अभिभाषण के विभिन्न बिंदुओं पर सरकार को घेरते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, "समर्थन मूल्य पर कोई खरीद नहीं हुई है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ी हुई है। लखपति दीदी योजना के नाम पर 270 करोड़ रुपये का ऋण बताया गया। पूरा अभिभाषण झूठ का पुलिंदा है और सरकार पूरी तरह असफल साबित हुई है।"

परिसीमन के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा

बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष ने मनरेगा का नाम बदलने और 'राइट टू वर्क' के उल्लंघन का आरोप लगाया। इस दौरान टीकाराम जूली और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने हाथों में फावड़ा, गैंती और तगारी लेकर पैदल मार्च किया। जूली ने कहा कि मजदूरों से उनके काम का अधिकार छीना जा रहा है और मनरेगा जैसे ऐतिहासिक कानून को खत्म करने की साजिश की जा रही है।

परिसीमन के मुद्दे पर बीजेपी को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा, "परिसीमन गलत तरीके से किया जा रहा है और जनता को गुमराह किया जा रहा है। इन्हें अदालत से भी राहत नहीं मिल रही है। बाड़मेर का हिस्सा बालोतरा में जोड़ दिया गया, जहां पहले दूरी 70 किलोमीटर थी, अब वह बढ़कर 170 किलोमीटर हो गई है।"

ज़ाहिद हुसैन जयपुर ज़िला अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (RAKMA) के प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद ने साबिर अब्बासी के स्थान पर ज़ाहिद हुसैन को जयपुर का ज़िला अध्यक्ष मनोनीत किया है । एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने ज़ाहिद हुसैन को बधाइयाँ दी और उनको एसोसिएशन को मज़बूत बनाने में सहयोग करने की आशा की।

हाई कोर्ट के आदेश पर राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव को लेकर बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हाई कोर्ट के आदेश अनुसार 19/1/2026 को राजस्थान विश्वविद्यालय में एक मीटिंग का आयोजन हुआ उसके अंदर सभी छात्र नेताओं ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव क्यों जरूरी है। इसमें RLP छात्र नेता सांवरा चौधरी ने बताया की छात्रों के लिए राजनीति की पहली सीढ़ी छात्रसंघ चुनाव है और कुलगुरु के मीटिंग में सम्मिलित न होने पर भी सवाल उठाया सांवरा चौधरी ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव ही ऐसा चुनाव है जिस की 100% साक्षरता दर रहती है तथा छात्रसंघ चुनाव न होने के कारण भी विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में कमी आई है और सरकार तथा हाई कोर्ट से जल्दी से जल्दी छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग रखी है।

पंच गौरव के तहत जयपुर में आंवला संवर्धन को लेकर प्रशिक्षण सेमिनार का आयोजन

-जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर हो रहा आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में पंच गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। "एक जिला–एक उपज" की अवधारणा के अंतर्गत जयपुर जिले के पंच गौरव में आंवले को शामिल किया गया है, ताकि किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ जिले की विशिष्ट पहचान को भी सुदृढ़ किया जा सके।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले की समस्त पंचायत समितियों में प्रथम चरण में प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर कृषकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। इन सेमीनारों के माध्यम से कृषकों को आंवला फल के औषधीय गुणों, इसकी खेती से होने वाली स्थायी आमदनी की संभावनाओं तथा प्रसंस्करण से संबंधित प्रायोगिक जानकारी प्रदान की जा रही है। अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि इन प्रशिक्षण सेमिनार में महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला कृषकों एवं युवा कृषकों की विशेष सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र, आईएचआईटीसी दुर्गापुरा, जयपुर तथा कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के माध्यम से प्रतिभागियों को दो दिवसीय आंवला प्रोसेसिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे मूल्य संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ सकें। मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि इसी क्रम में बुधवार को शाहपुरा स्थित कृषि प्रशिक्षण हॉल में पंच गौरव प्रशिक्षण सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को आंवला खेती के आधुनिक एवं उन्नत तरीकों, उत्पादन बढ़ाने तथा गुणवत्ता सुधार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों, कृषक महिलाओं एवं युवा कृषकों के क्षमता संवर्धन के लिए कुल 38 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। आंवला को जयपुर की पहचान के रूप में स्थापित करने तथा किसानों की आय का स्थायी साधन विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. कुमावत ने बताया कि आंवला एक टेबल फल नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उपयोग प्रसंस्कृत उत्पादों के रूप में किया जाता है। घरेलू स्तर पर आंवला प्रोसेसिंग को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर इसकी मांग में वृद्धि की जा सकती है, जिससे न केवल किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

महिला शक्ति, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व का सशक्त मंच साबित हो रही नारी चौपाल

- नारी चौपाल में हजारों महिलाओं ने दिखाई सहभागिता और नेतृत्व की शक्ति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में महिला सशक्तिकरण को व्यावहारिक धरातल पर साकार करने की दिशा में सक्षम जयपुर अभियान के अंतर्गत नारी चौपाल कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप तथा जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत उपखण्ड स्तर पर इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को चाकसू उपखंड में नारी चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया। बड़ी संख्या में सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि महिलाएँ अब संवाद, निर्णय और नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक तथा आत्मरक्षा प्रशिक्षण की प्रस्तुतियाँ दी गईं। "हम होंगे कामयाब" और "मेरा काम—मेरा सम्मान" जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का संदेश प्रस्तुत किया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियाँ हासिल करने वाली महिलाओं द्वारा अनुभव साझा किए जाने से उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। चाकसू उपखण्ड अधिकारी श्रीमती निधि मीणा की उपस्थिति में आयोजित इस नारी चौपाल में महिलाओं ने अपने आत्मविश्वास, कौशल और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महिलाओं से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही मौके पर लगाए गए सहायता काउंटरों के माध्यम से योजनाओं से जुड़ा मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने सक्षम जयपुर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ की शपथ ली। नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। डॉ. डोगीवाल ने बताया कि नारी चौपाल का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है, जिससे नीति एवं क्रियान्वयन में सकारात्मक बदलाव संभव हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर जिले के सभी उपखण्डों में नारी चौपाल कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जाएंगे। नारी चौपाल महिलाओं के लिए केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की सशक्त पहल बनकर उभर रही है।

मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाडो प्रोत्साहन योजना की प्रगति की समीक्षा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाडो प्रोत्साहन योजना की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य समाज की सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को सशर्त मातृत्व सहायता प्रदान करना है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन में राजस्थान गत अप्रैल से दिसंबर माह की अवधि में देश में अग्रणी तीन राज्यों में रहा है। राज्य में अब तक इस योजना से 11, 85, 548 लाख महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। मुख्य सचिव ने सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ देने एवं लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित लाडो प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य बालिकाओं के जन्म, सुरक्षा और शिक्षा को प्रोत्साहित करना एवं उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत 7 किस्तों में डेढ़ लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना की प्रगति का धरातल पर जाकर निरीक्षण करें तथा वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना की रियल टाइम मॉनिटरिंग करें। OJAS पोर्टल के डैशबोर्ड को अपडेट करें। योजना के लाभार्थियों की सक्सेस स्टोरी बनाएं, प्रकाशित और प्रसारित करवाएं। स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग आपसी समन्वय कर उनके पोर्टल का इंटीग्रेशन पर कार्य कर इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड पर कार्य करें। असंगत भुगतान/आवेदन को रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करें। समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव कृष्ण कुणाल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक डॉ. अमित यादव तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि पवार एक कुशल प्रशासक, दूरदर्शी नेता और समर्पित जनसेवक थे। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास एवं जनकल्याण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका जाना महाराष्ट्र की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

विधायक ऋतु बनावत ने 'CBI जांच' लिखा संदेश वाली साड़ी पहनकर जताया विरोध, विधानसभा पहुंचीं

जयपुर । राजस्थान के बयाना से निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने 'CBI जांच' लिखा संदेश वाली साड़ी पहन रखी थी। विधायक निधि में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर ऋतु बनावत ने कहा, "मेरे ऊपर जो भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है, उसकी जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। यदि सीबीआई से जांच नहीं होती है तो किसी हाई कोर्ट के सिटिंग जज से इसकी जांच कराई जाए।"

"जनता का भरोसा डगमगाने लगा"

उन्होंने कहा कि राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जिससे प्रदेश की जनता का अपने जनप्रतिनिधियों पर विश्वास कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के लिए यह बेहद जरूरी है कि जनता का भरोसा अपने चुने हुए प्रतिनिधियों पर बना रहे। ऋतु बनावत ने कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी तभी होगा, जब इस मामले में आरोप लगाने वाले व्यक्ति की मंशा साफ सामने आएगी।

"कोई ठोस सबूत मौजूद नहीं"

ऋतु बनावत ने कहा कि आरोप लगाने वाले व्यक्ति के पास कोई भी ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर डील का मतलब क्या होता है। उन्होंने भारत और यूरोपीय कमीशन के बीच हुई डील का उदाहरण देते हुए कहा कि डील का अर्थ होता है कि या तो कोई एग्रीमेंट हुआ हो या फिर कोई टोकन मनी दी गई हो।

"मेरी छवि खराब करने की साजिश"

उन्होंने कहा, "इस पूरे मामले में न तो कोई एग्रीमेंट साइन हुआ, न कोई पत्र दिया गया और न ही किसी तरह का पैसा लिया गया। इसके बावजूद कुछ लोग हठधर्मी रवैया अपनाकर लगातार मेरी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। जो व्यक्ति मिलने आया था, उसने खुद कहा कि वह छह महीने से मेरे पीछे लगा हुआ था। जब वह मेरे पास आया और वीडियो रिकॉर्डिंग की बात कही, तो मैं जानना चाहती हूं कि वह कितने लोगों के पास गया, कितनों की रिकॉर्डिंग की गई और उन रिकॉर्डिंग्स में आखिर है क्या। उसने मेरे पास आकर 55 लोगों से बातचीत का हवाला दिया था।"

"CBI जांच से सच्चाई सामने आएगी"

ऋतु बनावत ने कहा, "जब सीबीआई से जांच होगी, तभी इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी। अन्यथा इस तरह की ब्लैकमेलिंग का खेल चलता रहेगा। मैं इस मामले को जनता के सामने रखना चाहती हूं और जनता भी समझ रही है कि किस तरह जनप्रतिनिधियों को निशाना बनाया जा रहा है। इसी कारण मैं यह संदेश लिखे कपड़े पहनकर आई हूं, ताकि यह मुद्दा सबके सामने आ सके। जब तक मुझे न्याय नहीं मिलेगा, मैं इसे लगातार उठाती रहूंगी।"

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

कोटा में आयोजित होने वाले रोज़गार मेले के पोस्टर का विमोचन किया

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। 28 जनवरी 2026 बुधवार को एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल (AMP) और डॉक्टर ज़ाकिर हुसैन एजूकेशन एवं वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 7 फ़रवरी 2026 को चिल्ड्रन टी.टी. कॉलेज, दादाबाड़ी, कोटा में आयोजित होने वाले रोज़गार मेले के पोस्टर का विमोचन (इजरा) चिल्ड्रन टी.टी. कॉलेज के डायरेक्टर एम. एस. ख़ान ने किया। इस मौक़े पर डॉक्टर ज़ाकिर हुसैन एजूकेशन एवं वेलफेयर सोसाइटी के सदर हकीम बख़्श, चिल्ड्रन टी.टी. कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. अनामिका राठौर, AMP कोटा क्लस्टर हेड सिराज अहमद अंसारी, AMP कोटा चैप्टर हेड कमरूज़ ज़मान ख़ान, तथा समाजसेवी अनवार अहमद ख़ान भी मौजूद रहे। AMP कोटा संभाग

के क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी व कोटा चैप्टर हेड क़मरूज़्ज़मान खान ने रोज़गार मेले के उद्देश्यों पर तफ़्सीली रोशनी डालते हुए नौजवानों से पुरज़ोर अपील की कि वे ज़्यादा से ज़्यादा तादाद में शिरकत कर के इस सुनहरे मौक़े का फायदा उठाएं। साथ ही कोटा संभाग के मैन्युफ़ैक्चरिंग हाउस, वर्कशॉप्स, हॉस्पिटल्स एवं अन्य व्यावसायिक संस्थानों, प्रतिष्ठानों से भी ख़ुसूसी गुज़ारिश की गई कि वे इस प्रोग्राम में शिरकत कर के नौजवानों की हौसला-अफ़ज़ाई करें और अपनी ज़रूरत के मुताबिक़ मुनासिब कर्मचारियों का चयन करें। तमाम व्यवसायिक संस्थानों और प्रतिष्ठानों के HR डिपार्टमेंट के लिए मुनासिब इंतज़ामात और ज़रूरी सहूलियात मुहैया करवाई जाएँगी।

जी राम जी योजना को लेकर भाजपा की प्रेस कांफ्रेंस आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर विकसित भारत जीरामजी ग्रामीण रोजगार एवम् नगरपरिषद् चूरू के द्वारा किये गये विकास कार्यो एवम् नवाचारो को लेकर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक चन्द्राराम गुरी, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल ने प्रेस से वार्ता की। प्रेसवार्ता में बोलते हुऐ जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने वीबी जीरामजी योजना को भारत के ग्रामीणो के लिए एक ऐसी सौगात बताया जो ग्रामीण अर्थ व्यवस्था में नई परिभाषा प्रस्तुत करेगी एवम् रोजगार और आजीविका देकर गरीबी निवारण एवम् आमजन को सम्मान प्रदान करेगी। उन्होने बताया कि इस कार्यक्रम के लागू होने से 125 दिन का रोजगार प्रत्येक व्यक्ति को मिलेगा एवम् इससे समय पर मजदूरी मिलेगी, खातो सीधे पैमेन्ट मिलने से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होने कहा कि यह उन्नत रोजगार की कानूनी गारंटी वाली योजना है जिसमें 15 दिन में काम न मिलने पर संबंधित श्रमिको को बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जायेगा। इसमें राज्य सरकारे सालाना कृषि सीजन के दौरान अधिकतम 60 दिनो तक की कार्य रोकने हेतु संबंधित श्रमिको को अवकाश प्रदान कर सकेगी। उन्होने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुऐ कहा कि कांग्रेस विरोध के लिए इस योजना का विरोध कर रही है। जबकि यह योजना एक ऐसी योजना है जो भारत के श्रमिको को केन्द्र में रखकर बनाई गई है और इससे उन श्रमिको को समय पर रोजगार मिल सकेगा। उन्होने साथ ही कहा कि नगरपरिषद् चूरू पिछले 2 वर्षो में जिस प्रकार

के विकास कार्य कर रहा है उससे चूरू में कई मोहल्लो एवम् वार्डो में लोगो को सहुलियते प्राप्त हो रही है उन्होने विशेष रूप से नगरपरिषद् आपके द्वार अभियान शिविर जो 26 जनवरी से 11 मार्च तक संचालित होगा उसके बारे में जानकारी देते हुऐ कहा कि इसमें सभी वार्डो की समस्याओं का समाधान करवाया जा सकेगा। उन्होने नगरपरिषद् चूरू के द्वारा एक रोटी गौ माता के नाम देने के कार्य को शानदार नवाचार बताते हुऐ कहा कि गौ माता हम सब के लिए पुज्य है ओर इस नवाचार से गौ माता को हर घर से रोटी प्राप्त हो पायेगी जो हमारी भारतीय संस्कृति के अनुरूप कार्य है। इस अवसर पर बोलते हुऐ इस कार्यक्रम के जिला संयोजक चन्द्राराम गुरी ने वीबी जीरामजी अधिनियम को विकसित ग्राम पंचायत से विकसित भारत की और ले जाने वाला कदम बताते हुऐ कहा कि इस योजना में में पूर्ववर्ति योजना से अधिक यानी 125 दिन का रोजगार मिलेगा, बेरोजगारी भत्ता मिलने से लोगो को आर्थिक संबल प्राप्त होगा एवम् समय पर मजदूरी का भुगतान होने से आर्थिक संबल मिलेगा वही तकनिक के जरिये सशक्तिकरण प्राप्त होगा। उन्होने पूर्ववर्ति युपीए सरकार के काल में मनरेगा के कुप्रबन्धन की चर्चा करते हुऐ कहा कि जहां युपीए के समय कुल श्रम दिवस 1660 करोड़ था वही एनडीए सरकार में यह बढ़कर 3210 करोड़ हो गया। इसमें केन्द्रिय निधि को 4 गुना वृद्व के साथ जारी किया गया है। पूर्ववर्ति सरकार ने 153 लाख कार्य किये गये वही एनडीए सरकार में 862 लाख कार्य पूरे किये जा चुके है। उन्होने कॉग्रेस पर आरोप लगाते हुऐ कहा कि कॉग्रेस ने केवल एक परिवार विशेष लोगो के नाम पर कार्य कर इसका राजनैतिकरण किया वही भाजपा सरकार ने देश के महापुरूषो के नाम पर इन कार्यो का नामकरण किया है। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष विमल गढ़वाल ने कहा कि नगर परिषद चूरू में जो कार्य किए गए हैं वह ऐतिहासिक है और आने वाले समय में इस प्रकार के और भी विकास से संबंधित कार्य देखने को मिलेंगे। प्रेस वार्ता में बोलते हुए जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा ने कहा विभिन्न विकास योजना के माध्यम से जो कार्य किया जा रहे हैं उन कार्यों से आमजन को लाभ प्राप्त होगा। प्रेस वार्ता में बोलते हुए मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत ने कहा कि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और विधायक हरलाल सारण के नेतृत्व में चूरू में नगर परिषद के द्वारा जो विकसित चूरू बनाने की पहल की गई है वह हम सब के लिए गर्व का विषय है। मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र राकसिया ने सभी का आभार जताया कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सैनी, जिला प्रवक्ता विजय बावलिया, जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच, जिला मीडिया सहसंयोजक नीरज जांगिड़ युवा मोर्चा जिला महामंत्री जयपाल सिंह टकणेत,रजत शर्मा ,सोशल मीडिया जिला सहसंयोजक नोमान खान, कमल सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अरमान मलिक की घातक गेंदबाजी से एलीट ईगल वॉरियर विजयी

-चार विकेट लेकर बने मैन ऑफ द मैच

कोटा (रॉयल पत्रिका) । कॉर्पोरेट टी-20 कप की सुपर सिक्स क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में एलीट ईगल वॉरियर ने सशक्त प्रदर्शन करते हुए ओएससीसी को 18 रन से पराजित किया। मैच में निर्णायक भूमिका निभाने वाले टीम के कप्तान अरमान मलिक को उनके शानदार हरफनमौला नेतृत्व और घातक गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलीट ईगल वॉरियर ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 195 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से नमन गेरा ने 42 गेंदों में 65 रन की बेहतरीन पारी खेली। उनके अलावा सोहेल खान ने 48 रन बनाए, जबकि हरप्रीत

सिंह ने मात्र 11 गेंदों में 31 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुँचाया। 196 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओएससीसी की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 177 रन ही बना सकी। ओएससीसी की ओर से ओमेंद्र सिंह चौधरी ने 39 रन तथा मोहम्मद रईस ने 30 रन का योगदान दिया, लेकिन टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। एलीट ईगल वॉरियर की जीत में कप्तान अरमान मलिक की गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में 36 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर उन्होंने विपक्षी टीम की रन गति पर प्रभावी अंकुश लगाया। कप्तान के रूप में अरमान मलिक का नेतृत्व, दबाव के क्षणों में सटीक गेंदबाजी और रणनीतिक फैसले टीम की जीत का आधार बने। उनके इसी शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें कॉर्पोरेट टी-20 कप के इस मुकाबले में मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस पर राजकीय यूनानी औषधालय में किया गया झंडारोहण

बारां (रॉयल पत्रिका) । 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहर के अंजुमन चौराहे मांगरोल रोड़ पर स्थित राजकीय यूनानी औषधालय में सुबह 8:30 बजे ध्वजारोहण किया गया। राजकीय यूनानी औषधालय के वरिष्ठ यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नासिर हुसैन ने ध्वजारोहण किया। साथ में कनिष्ठ यूनानी कंपाउंडर गोविंद नागर भी उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम, डॉक्टर सरफराजुद्दीन अफजल, इकबाल नेता, एडवोकेट फिरोज खान, शाहिद हुसैन

नर्सिंग ऑफिसर, एडवोकेट रईस हाशमी, पप्पू नेता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। झंडारोहण के पश्चात बच्चों और मेहमानों को मिठाइयां बांटी गई।

चूरू के एडवोकेट सद्दाम हुसैन बने कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता

चूरू (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल के निर्देशानुसार भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभान चिब की ओर से राष्ट्रीय कार्यालय नई दिल्ली से जारी नियुक्ति में चूरू के एडवोकेट सद्दाम हुसैन को भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। एडवोकेट सद्दाम हुसैन की नियुक्ति पर छात्र एवं युवा शक्ति व कांग्रेस जनों ने हर्ष व्यक्त किया तथा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का हार्दिक आभार व्यक्त किया। एडवोकेट सद्दाम हुसैन इससे पहले भी कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई एवं भारतीय युवा कांग्रेस में राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय संयोजक तथा महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, पूर्व उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों के प्रभारी के रूप में भी संगठन में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य कर चुके हैं। एडवोकेट सद्दाम हुसैन अभी तक यूजी एवं पीजी सहित कुल दस उपाधियां अर्जित कर चुके हैं। एडवोकेट सद्दाम हुसैन जिला राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों बार सम्मानित हो चुके हैं।

अमर शहीदों के बलिदान से युवाओं को मिलती है देशभक्ति की प्रेरणा

-घांघू के शहीद राजेश कुमार फगेड़िया की पुण्यतिथि पर ग्रामीणों ने दी पुष्पांजलि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव घांघू में बुधवार को शहीद स्मारक पर शहीद राजेश कुमार फगेड़िया की 16वीं पुण्यतिथि पर उनकी शहीद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों, ग्रामीणों व आसपास के क्षेत्र के लोगों ने शहीद को नमन किया। इस दौरान ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने भारत माता की जय, शहीद राजेश फगेड़िया अमर रहे के जयघोष से आकाश को गुंजायमान कर दिया। गौरतलब है कि ऑपरेशन मेघदूत के दौरान सियाचिन गलेशियर वन में वर्ष 2011 में राजेश कुमार भारत माता की रक्षा में शहीद हो गए थे। इस मौके पर समाजसेवी महावीर नेहरा ने कहा कि हम वीर सैनिकों कि बदौलत ही सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को अमर शहीदों के बलिदान से देशभक्ति की मिलती है। समाजसेवी परमेश्वर लाल दर्जी ने कहा कि हमारे देश के सैनिक बर्फ़ीले और खराब से खराब मौसम में भी देश कि सीमाओं पर दुश्मन के दांत खट्टे कर रहे हैं, हमारे सैनिकों कि बदौलत ही देश और देश कि सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मन में सैनिकों एवं सैनिक परिवार के प्रति सम्मान कि भावना होनी चाहिए। शहीद सैनिक हवलदार लखू सिंह बालिका राउमावि कि बालिकाओं ने विद्यालय से शहीद स्मारक तक शहीद के सम्मान में तिरंगा रैली निकाली। इस दौरान शहीद वीरांगना मधु देवी एवं शहीद परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भागीरथ राम फगेड़िया, शहीद पिता पूर्व सैनिक रामलाल फगेड़िया, माता शारदा देवी, शहीद

वीरांगना मधु फगेड़िया, भाई राकेश फगेड़िया, सुमन देवी, बहन अंजू, बहनोई सरजीत मांझू, शहीद पुत्र डॉ. देवेन, मयंक, नितेश, अंशुल, प्रधानाचार्य जगदीश खेड़ीवाल, प्रधानाचार्य सिकंदर कुरैशी, प्रधानाचार्य रामचंद्र जांगिड़, जीवणराम फगेड़िया, मेघाराम फगेड़िया, पूर्णाराम फगेड़िया, चोखाराम फगेड़िया, प्यारेलाल फगेड़िया, हीरालाल फगेड़िया, सोहनलाल फगेड़िया, सामाजिक कार्यकर्ता बीरबल नोखवाल, नानू राम दर्जी, लिखमाराम प्रजापत, मुकनाराम भाम्भू, सफी मोहम्मद गांधी, राम सिंह सिहाग, शीशराम श्योराण, सुरेश मांझू, इरफ़ान पहाडियान, विजेंद्र सिहाग, बनवारी लाल रेवाड़, इशर राम बरड़, ओमप्रकाश नैण, कपिल भाम्भू, कमला, मनीष भार्गव, अरविन्द जाजड़ा, प्रकाशचन्द्र शर्मा, मुश्ताक खान, अमित कुमार, चिमनलाल शर्मा, बाबूलाल, श्रीचंद महरिया, रामनिवास फगेड़िया, हेमराज फगेड़िया, मोहन लाल फगेड़िया, रविंद्र फगेड़िया, शीशराम फगेड़िया, अभिषेक फगेड़िया, राजेंद्र फगेड़िया, सुनील फगेड़िया, रणजीत सिहाग, सुनील जांगिड़ आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर ग्लोबल इंग्लिश अकैडमी के बच्चो ने किया सामूहिक सास्कृतिक नृत्य

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित टाउन हॉल में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में चूरू जिले के सभी ब्लॉकों से आए हुए विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी । कार्यक्रम में जिला कलेक्टर अभिषेक सुराना, विधायक हरलाल सहारण, सीईओ श्वेता कोचर, वासुदेव चावला, सीडीओ संतोष महर्षि, चूरू नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, डीईओ प्रारंभिक किशन लाल गहनोलिया, मुकुल भाटी व अन्य अतिथि गण उपस्थित थे। जिला लेवल के इस कार्यक्रम में चूरू मुख्यालय स्थित ग्लोबल इंग्लिश अकैडमी, वन विहार कॉलोनी चूरू के बच्चों ने समूह नृत्य कार्यक्रम में सभी दर्शकों का

मन जीत लिया। कार्यक्रम में छोटी सी बच्ची अदीबा का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। संस्था प्रधान अब्दुल सत्तार खान ने बताया कि यह संस्था और बच्चों के लिए बहुत ही गर्व और खुशी का पल है कि उन्होंने राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी । समूह नृत्य के कलाकारों में आलिजा, अमरीन, खानम आयशा, सना खान, राया, सादिया बानो, सनाया कुरैशी, याशिरा, अनीशा, सुमैया, तमन्ना बानो, आयत, आयत बानो, जैनब खान, जैस्मिन, आयशा खानम, अलीशा बानो, सना/मनफूल, सना/इस्माइल, तहसीम शाजिया, सिमरन और अदीबा ने अपनी प्रस्तुति दी।

फरसेवाला में क्रिकेट महासंग्राम का भव्य उद्घाटन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। फरसेवाला में आयोजित क्रिकेट महासंग्राम का शुभारंभ घमुड़वाली थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, ग्रामीण व खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस मौके पर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं, साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए और अपने आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि यदि कहीं भी नशे का अवैध कारोबार होता दिखाई दे, तो वे बिना किसी डर के सीधे उनके मोबाइल नंबर पर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूरी तरह गोपनीय

रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने ट्रैफिक नियमों की भी विस्तार से जानकारी दी और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से करीब दो दर्जन हेलमेट का वितरण किया। क्रिकेट महासंग्राम के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और युवाओं को खेल व अनुशासन के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

बुडस एक्ट पीड़ितों का दर्द:

सुप्रीम कोर्ट में गुहार, सरकार पर लापरवाही का आरोप

शफीक अली

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। बुडस एक्ट 2019 के तहत ठगे गए लाखों निवेशकों की जमा राशि का भुगतान कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण याचिका दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के लिए न्याय की गुहार लगाई है। बुधवार को महवा में बुडस एक्ट के पीड़ित लोगों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि विभिन्न समिति कंपनियों ने उन्हें आकर्षक रिटर्न का लालच देकर उनकी जमा राशि ठग ली। जब उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा, तो कंपनियों ने उन्हें चूना लगा दिया। बुडस एक्ट 2019 के तहत पीड़ित निवेशकों को उनकी जमा

राशि का 2 से 3 गुना भुगतान करने का प्रावधान है। लेकिन अभी तक किसी भी पीड़ित को उसका हक नहीं मिला है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह बुडस एक्ट के तहत पीड़ित निवेशकों को उनका हक दिलाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सरकार की लापरवाही के कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई है और मांग की है कि उनकी जमा राशि का भुगतान अति शीघ्र करवाया जाए। इस अवसर पर प्रकाश चंद सैनी, रूप सिंह सैनी, डॉक्टर कैलाश प्रजापत, विजय सिंह सैनी, नानक राम जी, समय सिंह, सुमन सिंह जाटव, किशोरी लाल, आइडिया महेश सैनी, पाली हंसराम मीना, निठार हरभजन कोली और अन्य पीड़ित लोग उपस्थित थे।

युवाओं के युद्ध ड्रग्स के विरुद्ध कार्यक्रम में पहुंचे एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित दादाबाडी चूरू में एनएसयुआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के मुख्य आतिथ्य में युवाओं का युद्ध, ड्रग्स के विरूद्ध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युवा नेता ईरशाद मंडेलिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर एआईसीसी सचिव रिहाना रियाज चिश्ती ने नशे के खिलाफ एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि यह अभियान युवाओं को नशे से मुक्त कराने और समाज को स्वस्थ दिशा देने की एक सशक्त पहल है। रिहाना रियाज ने युवाओं को नशे से दूर रहने और अपने परिवार एवं समाज को भी नशा-मुक्त बनाए रखने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर एनएसयुआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति नही, बल्कि पुरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसे जड से खत्म करने के लिए युवाओं की जनभागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होने युवाओं से नशे से दुर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने का आह्वान किया। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं को यह भी बताया कि यदि कही तस्करी या नशे का अवैध कारोबार नजर आए तो बिना डरे प्रशासन को सूचित करें। जाखड ने आमजन से अपील की कि नशे से दुर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाएं तथा नशा-मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। युवा नेता ईरशाद मंडेलिया ने संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को नशीले पदार्थो के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों के सबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से क्षति पहुंचाता है, बल्कि मानसिक, अवसाद, पारिवारिक कलह, सामाजिक पतन एवं आर्थिक नुकसान का भी प्रमुख कारण बनता है। उन्होने स्पष्ट किया कि नशा व्यक्ति को अंधकारमय कर देता है और समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में बाधक है। कार्यक्रम के अंत में एनएसयुआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ नशे के खिलाफ लडाई में सहयोग करने और समाज

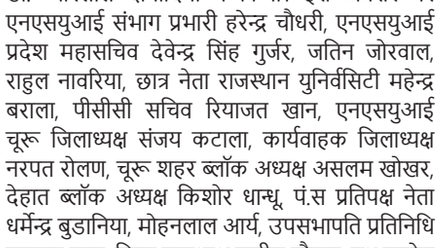

को सुरक्षित बनाने की शपथ ली।कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्यारेलाल दानोदिया ने किया। इस अवसर पर एनएसयुआई संभाग प्रभारी हरेन्द्र चौधरी, एनएसयुआई प्रदेश महासचिव देवेन्द्र सिंह गुर्जर, जतिन जोरवाल, राहुल नावरिया, छात्र नेता राजस्थान युनिर्वसिटी महेन्द्र बराला, पीसीसी सचिव रियाजत खान, एनएसयुआई चूरू जिलाध्यक्ष संजय कटाला, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नरपत रोलण, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पं.स प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, मोहनलाल आर्य, उपसभापति प्रतिनिधि रमजान खान, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, युथ काग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके, ईरफान भाटी, मण्डल अध्यक्ष हमीद रिसालदार, असलम खान मोयल, अजीज खान, अली मोहम्मद भाटी, तौफिक खान, विमल शर्मा, श्रवण बसेर, रमेश्वर नायक, गोकुल शर्मा, समीउल्लाह गौरी, शिवकुमार शर्मा, आसिफ निर्बाण, इस्माईल भाटी, विनोद सैनी, शाहिद खान, तोफिक एनएसयुआई, सद्दाम हुसैन, जयचंद मेघवाल, दुर्गादत रायपुरिया, असलम खान रतननगर, मकसूद खान, सुरेन्द्र ढण्ड, अनिस खान, आबिद जाबासरिया, मनीष कुमावत, तारिख नागौरी, बाबूमंत्री, विनोद खटीक, खालिद कुरेशी, महबूब खान नसवान,सुलेमान मनियार, चंद्रप्रकाश सैनी, अनिल तंवर, सदिक लीलगर, बरकत खान, सुखदेव न्यौल सहित सैकडो की संख्या में एनएसयुआई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजुद रहें।

मदरसा अंजुमन इस्लामियां में गणतंत्र दिवस जोश और उत्साह के साथ मनाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहर के अंजुमन चौराहे पर स्थित मदरसा अंजुमन इस्लामिया उच्च माध्यमिक विद्यालय बारां में गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। अंजुमन सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान ने सुबह 8 बजे झंडारोहण किया इसके बाद सांस्कृतिक प्रोग्राम आयोजित किए गए। सेकेट्री फ़राज़ अहमद ने बताया की गणतंत्र दिवस के मौके पर मदरसे में बच्चो ने बेहतरीन प्रस्तुति पेश की। देशभक्ति के गीत गाए, ओर देश के संविधान लिखने वाले बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर ओर तमाम क्रांतिकारियों की गाथाएं सुनाई गई। प्रोग्राम में पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम, मोहतमिम

अब्दुल कय्यूम साहब, सेकेट्री फ़राज़ अहमद, खजांची मास्टर अयूब अली, गफ्फार एडवोकेट, अशफाक मयूर, इमरान रंगरेज, पप्पू नेता, इमरान खान टेंट, मुबारिक हुसैन राजा, पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान लजीज, रईस खान बर्तन वाले, पूर्व पार्षद जाकिर खान, राजू खान बर्तन वाले, इकबाल नेता, एडवोकेट फिरोज खान, मुबारिक झंकार, महबूब अली, प्रिंसिपल सादिक हुसैन, वाईस प्रिंसिपल मोहम्मद आबिद देशवाली, मुमताज खान, इरफान मंसूरी, मंसूर अली ने बच्चो की हौसला अफजाई की।

ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी ने दिया पद से इस्तीफा

बारां (रॉयल पत्रिका) । ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी ने मंगलवार 27 जनवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा शहर वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी को सौंपा। अपने इस्तीफे में उन्होंने अपनी पूरी 12 सदस्य कमेटी के पद से मुक्त होने ओर इस्तीफा स्वीकार करने की बात लिखी। सद्दाम हुसैन अंसारी फरवरी 2025 में ईदगाह सदर

नियुक्त किए गए थे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एससी विभाग में किए नए नियुक्ति

-महवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश, पंचायत राज चुनाव में मजबूती की तैयारी

शफीक अली

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश अध्यक्ष माननीया श्रीमती ममता भूपेश ने एससी विभाग में नए नियुक्ति की घोषणा की है। एससी विभाग जिला अध्यक्ष धन्नालाल बैरवा जी और महवा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला की अनुशंसा पर एससी विभाग जिला दौसा उपाध्यक्ष सोहनलाल बैरवा, जिला महासचिव अशोक कुमार पाखर, एससी विभाग ब्लॉक मंडावर का अध्यक्ष रामचन्द्र बैरवा, और महवा ब्लॉक का अध्यक्ष मोहन सिंह जाटव पूर्व सरपंच और जिला महासचिव दौलत सिंह खेडली को नियुक्त किया गया है। इस खुशी में सभी युवाओं में जोश है। अशोक कुमार पाखर ने बताया कि सभी युवाओं को साथ लेकर आने वाले पंचायत राज चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। नियुक्ति प्राप्त करने वालों ने प्रदेश अध्यक्ष माननीया श्रीमती ममता भूपेश और एससी विभाग जिला अध्यक्ष धन्नालाल बैरवा का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर महवा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पंचायत राज चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए वे पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बांटी ऊनी जर्सियां

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अहसास सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में 28 जनवरी, बुधवार को शहर के सुमन सेकेंडरी स्कूल में अध्ययनरत 40 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शीत ऋतु से बचाव हेतु ऊनी जर्सियाँ वितरित की गईं। जर्सियाँ प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी, संतोष और आत्मविश्वास की चमक स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिसने इस सेवा कार्य को भावनात्मक रूप से और भी सार्थक बना दिया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सोहेल अनवर ने कहा कि समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना संस्था का निरंतर प्रयास है, ताकि कोई भी बच्चा अभावों के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे। संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य न केवल बच्चों को राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में नगर परिषद के पूर्व उपसभापति अली मोहम्मद, जावेद अनवर, प्रवीण शर्मा, दिलीप शर्मा, डॉ. मजीद, अल्ताफ नूर, संजय शर्मा, श्रीमती विमलेश, दानिश, रिंकू महावर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संस्था के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

गांव 5 केडी में बाबा रामदेव जी का मेला श्रद्धा व सेवा के साथ संपन्न

निशान सतरान

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। बाबा रामदेव जी के आस्था से जुड़े मेले को लेकर क्षेत्र में जहाँ दसवीं के दिन 5 केडी गांव में भव्य मेले का आयोजन किया गया। पूरे क्षेत्र में बाबा रामदेव जी का मेला दसवीं के दिन श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस धार्मिक आयोजन में आसपास के तमाम गांवों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे और सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। मेले के दौरान दिनभर मंदिर परिसर में लंगर का आयोजन चलता रहा, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीणों द्वारा स्वेच्छा से सेवा दी गई, वहीं व्यवस्था पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित रही। आपको बता दें कि पूरे क्षेत्र में इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूती मिल रही है। आस्था, सेवा और सहयोग का यह दृश्य बाबा रामदेव जी के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा को दर्शाता है। इस मौके पर अस्थाई दुकानें भी लगाई गई जिस पर लोगों ने जमकर खरीदारी भी की। इस मौके पर किसान नेता राजू जाट, भावी सरपंच पालाराम भादू , देवीलाल धारणिया, मानाराम पडिहार, संदीप गोदारा, लादूराम गोदारा, सुभाष पूनिया, दौलत राम नायक पूर्व वार्ड पंच, सेवादार रामकिशन, राजू बावरी, भजनलाल पडिहार, जगदीश बारूपाल, अंकित गोदारा, ख्यालीराम मार्वल, सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

करौली कलेक्ट्रेट में UGC नए नियमों के विरोध में प्रदर्शन

-हनुमान चालीसा पाठ के साथ कानून वापसी की मांग

हनीस शेख

करौली (रॉयल पत्रिका)। करौली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा लागू किए गए नए नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज के लोगों ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और हनुमान चालीसा का पाठ कर नियमों को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आगामी 1 फरवरी को भारत बंद का आह्वान भी किया। इससे पहले सवर्ण समाज के सदस्यों ने पुरानी नगर पालिका क्षेत्र से रैली निकाली। रैली फूटाकोटा, बड़ा बाजार, वजीरपुर गेट और पुरानी कलेक्ट्रेट चौराहे से गुजरते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने करीब आधे घंटे तक नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जनवरी 2026 से लागू किए गए UGC के नए नियम उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता के नाम पर एकतरफा व्यवस्था लागू करते हैं। उनका आरोप है कि इन नियमों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग वर्ग पर विशेष फोकस किया गया है, जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। वक्ताओं ने नए नियमों के तहत गठित की जाने वाली इक्विटी कमेटियों को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि बिना स्पष्ट दंडात्मक प्रावधानों के जांच का अधिकार दिए जाने से झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों की संभावना बढ़ सकती है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों में डर और अस्थिरता का माहौल बन सकता है। प्रदर्शनकारियों ने तर्क दिया कि देश की बड़ी आबादी सामान्य वर्ग से आती है और इस तरह की नीतियां उनके समान अवसर के अधिकार को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून का उद्देश्य सभी वर्गों के लिए न्याय और संतुलन बनाए रखना होना चाहिए। धरना स्थल पर विरोध के प्रतीक स्वरूप हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की गई। इसके पश्चात अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें UGC के नए नियमों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही 1 फरवरी को भारत बंद के माध्यम से देशव्यापी विरोध दर्ज कराने की बात दोहराई गई।

गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की सख्त कार्रवाई

-चूरू में पेट्रोल पंप के पास गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण पर 139 गैस सिलेंडर की जब्ती

-खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की सजगता से टला बड़ा हादसा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा चूरू में अवैध गैस भंडारण के विरुद्ध बड़ी कारवाई की गई। विभाग की टीम द्वारा लिखमाराम इंडेन ग्रामीण वितरक एंजेसी, घांघू द्वारा संचालित अवैध भंडारण गोदाम एवं एजेंसी की जांच में पाया गया कि उक्त एजेंसी द्वारा कुल 139 गैस सिलेंडर अवैध रूप से भंडारित किए जा रहे हैं। इन गैस सिलेंडरों का भंडारण चुरू में कचहरी रोड, चूरू पर मैसर्स नौलीराम एंड संस पैट्रोल पंप के पास गैस एजेंसी कार्यालय व अवैध रूप से गोदाम बनाकर किया जा रहा था। विभागीय कारवाई के दौरान भंडारण बाबत कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर भंडारित गैस सिलेंडर को जब्त करने की कार्यवाही की गई। इस मौके पर रसद उपायुक्त रामचरण मीणा, जिला रसद अधिकारी चूरू अंशु तिवारी सहित विभागीय प्रवर्तन अधिकारी निशांत पंचोली, प्रवर्तन निरीक्षक राजेश टांक, प्रवर्तन निरीक्षक संपत कुमार, प्रवर्तन निरीक्षक प्रीति खेदड़ प्रवर्तन निरीक्षक सीमा जूनवाल सहित स्थानीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अवैध रूप से भंडारित गैस सिलेण्डर के स्टॉक, जिनमें 14.2 किलोग्राम के भरे हुए गैस सिलेंडर भी शामिल थे, पेट्रोल पंप के पास होने के कारण जन सुरक्षा के लिए भी वृहत स्तर पर खतरा उत्पन्न कर सकते थे। एजेंसी द्वारा अवैध भंडारण के साथ विस्फोटक अधिनियम का भी उल्लंघन किया जा रहा था। पूर्व में भी उक्त गैस एजेंसी के 71 सिलेंडर समय समय पर की गई विभागीय कारवाई में जब्त किए जा चुके हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा सिलेंडर जब्त कर लिखमाराम इंडेन ग्रामीण वितरक एंजेसी, घांघू के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। उक्त प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विभागीय स्तर पर त्रिस्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति प्रकरण की गहन जांच करके सात दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर का ऐतिहासिक विजय अभियान, अडानी टीम को एक तरफा रौंदा

-राजदीप ने तूफानी 192 रन बना कर रचा इतिहास, विश्वविधालय स्तर पर अब तक का बेस्ट स्कोर

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। गुजरात के राजकोट में आयोजित वेस्ट ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष) 2025-26 के सुपर नॉकआउट मुकाबले में मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर ने शानदार और एकतरफ़ा प्रदर्शन करते हुए अदाणी यूनिवर्सिटी को 205 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मज़बूत कर ली। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के डीन स्पोर्ट्स एंड पब्लिक रिलेशन्स डॉ. सैयद मोइनुल हक़ ने बताया कि 'रुद्राक्ष 360 क्रिकेट ग्राउंड', राजकोट में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट पर 316 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के कप्तान राजदीप चौधरी ने क्रिकेट इतिहास की यादगार पारियों में से एक खेलते हुए मात्र 72 गेंदों पर 192 रन ठोक दिए। उनकी विस्फोटक पारी में 16 चौके और 18 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 266.67 रहा। कप्तान राजदीप की इस ऐतिहासिक बल्लेबाज़ी ने मैदान पर मौजूद दर्शकों को रोमांच से भर दिया। कप्तान का शानदार साथ देते हुए हिमांशु ने 52 रन की उपयोगी नाबाद पारी खेली, वहीं विकेटकीपर सिद्धार्थ पुरोहित ने भी तेज़तर्रार अंदाज़ में रन बटोरे। पूरी टीम ने आक्रामक बल्लेबाज़ी का बेहतरीन नमूना पेश किया। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी अदाणी यूनिवर्सिटी की टीम दबाव में बिखर गई और 16.5 ओवरों में 111 रन पर सिमट गई। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की गेंदबाज़ी भी उतनी ही प्रभावशाली रही। गेंदबाज़ी में राजवीर चौधरी ने केवल 1 ओवर में 2 विकेट बिना रन दिए लेकर मैच का रुख पूरी तरह मोड़ दिया। वहीं आयुष खान और कृष जांगिड़ ने भी कसी हुई गेंदबाज़ी करते हुए 2-2 विकेट झटके। इस शानदार जीत के साथ मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर ने यह साबित कर दिया कि टीम संतुलित बल्लेबाज़ी, अनुशासित गेंदबाज़ी और मज़बूत नेतृत्व के दम पर टूर्नामेंट की सबसे मज़बूत दावेदारों में शामिल है। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी और डीन एकेडमिक डॉ. इमरान खान पठान ने इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए उन्हे मुबारकबाद दी है। मैच के हीरो : कप्तान राजदीप चौधरी 192 रन, हिमांशु 52 रन, राजवीर चौधरी 2 विकेट, 0 रन, यह मुकाबला लंबे समय तक इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट के इतिहास में याद किया जाएगा।

रॉयल पत्रिका के संवाददाता यासीन का हुआ सम्मान

पाली (रॉयल पत्रिका)। बांगड़ चिकित्सालय में सिकंदर भाटी एंबुलेंस ग्रुप व भाईजान ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में रॉयल पत्रिका संवाददाता मोहम्मद यासीन का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बांगड़ चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. कैलाश परिहार, डॉ. आर के विश्नोई, डॉ. नूरैन मिर्जा, मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई, हाजी मेहबूब टी, बाबू भाई मोयल, इब्राहिम घोसी, आमीन अली रंगरेज, असगर कुरैशी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस सम्मान दिए जाने पर यासीन ने सिकंदर खान भाटी, जिशान अली रंगरेज, मुनाजिर अली चुड़ीगर, रिजवान चढ़वा, इमरान तंवर सहित टीम के सभी सदस्य का आभार जताया।

शीशिया में शहीद स्मारक पर गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

- विद्यार्थियों को वितरित किए 120 स्कूल बैग

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ग्राम शीशिया में अमर शहीद हनुमान सिंह के शहीद स्मारक पर माल्यार्पण एवं ध्वजारोहण का कार्यक्रम श्रद्धा और सम्मान के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने शहीद को नमन करते हुए उनके बलिदान को स्मरण किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात शहीद परिवार की ओर से कैप्टन रविन्द्र अजाडीवाल एवं डॉ. कपिल अजाडीवाल द्वारा शहीद हनुमान सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को 120 स्कूल बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर कैप्टन रविन्द्र अजाडीवाल ने बताया कि विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराने की प्रेरणा उन्हें देवकरण शिवरायण एवं कल्याण सिंह शेखावत से मिली। कार्यक्रम के दौरान हरिहर अजाडीवाल, ताराचंद अजाडीवाल, जयदेव झाझडिया, बाबूलाल शेखावत, रामनिवास श्योराण, सुधेश श्योराण, कमलेश अजाडीवाल, विजय अजाडीवाल, मदनलाल जांगिड़ सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने शहीद के आदर्शों पर चलने और भावी पीढ़ी को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

सूचना केन्द्र के वरिष्ठ सहायक मंगेज सिंह हुए सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर चूरू सूचना केन्द्र के वरिष्ठ सहायक मंगेज सिंह को जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण सहित अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया। इस अवसर पर जनसंपर्क उपनिदेशक कुमार अजय, एपीआरओ मनीष कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामचंद्र गोयल, सेवानिवृत्त जनसंपर्ककर्मी जसवंत मेड़तिया, अक्षेता फलवारिया, प्रदीप कुमार माली, प्रियंका कानखेड़िया, संजय गोयल, दूलीचंद सोनी, विजय रक्षक, सुनील सिहाग सहित मीडियाकर्मियों, जनसंपर्ककर्मियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

पाली में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। बांगड़ चिकित्सालय में सिकंदर भाटी एंबुलेंस ग्रुप व भाईजान ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्तदाओं ने रक्तदान किया। रक्तदाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बांगड़ अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कैलाश परिहार, डॉ. आर के विश्नोई, डॉ. बाल गोपाल, डॉ. नूरैन मिर्जा सहित कई डाक्टर उपस्थित रहे। मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई, मेहबूब टी, अमजद अली रंगरेज, बाबू भाई मोयल, इब्राहिम घोसी, सत्तार पठान, कमरुद्दीन पठान, एम यासीन रॉयल, आमीन अली रंगरेज, असगर कुरैशी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस सफल रक्तदान शिविर के आयोजन में सिकंदर भाटी, जिशान अली रंगरेज, मुनाजिर चुड़ीगर, इमरान तंवर, यासीन सबावत, रिजवान चढ़वा सहित अन्य लोग का सहयोग रहा।

77वें गणतंत्र दिवस की मौके पर मौलाना आज़ाद एंड लाइफ टाइम अचीवेंट्स अवार्ड और बाल एवं परिवारिक सौहार्द मेले का हुआ भव्य आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर की ओर से बुझावड़ स्थित यूनिवर्सिटी परिसर में '77वें गणतंत्र दिवस महोत्सव' के अन्तर्गत 'मौलाना आज़ाद एंड लाइफ टाइम अचीवमेन्ट्स अवार्ड समारोह' तथा 'बाल एवं पारिवारिक सौहार्द मेले' का भव्य आयोजन किया गया। सामूहिक राष्ट्रगान के पश्चात् यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने अपने संबोधन में भविष्य के करियर में संभावनाएं तलाशने के लिए जमाने के साथ चलने और तकनीक का उपयोग करते हुए कड़ी मेहनत करने का विद्यार्थियों को आह्वान किया। यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काजमी ने गणतंत्र दिवस का महत्व और संविधान के मूल्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि एडवोकेट कपिल पुरोहित ने राष्ट्रहित सर्वोपरि के संबंध में कहते हुए युवाओं से हर मुश्किल घड़ी में ईमानदारी व कड़ी मेहनत से संघर्ष करने की बात कहीं। बतौर विशिष्ठ अतिथि रिटायर्ड सेशन जज गुलाम हुसैन, पूर्व कर्नल इदरीश खान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन्ड के डायरेक्टर नवीन मोहनोत, समाजसेविका एवं पुस्तकालय अध्यक्षा बिन्द टाक, आर्य समाज के अध्यक्ष हरि सिंह आर्य एवं आर्य समाज सदस्यगण, चौखा क्षेत्र के आस-पास के गांवों के गणमान्य लोगों सहित शहर के कई प्रबुद्धजनों ने शिरकत की। इस मौके पर जोधपुर व आस-पास के वरिष्ठ शिक्षाविद्, समाजसेवी, चिकित्साकर्मी, रंगकर्मी, एडवोकेट, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ के सदस्यगण, विभिन्न समाजों के अध्यक्ष, सचिव, सोशल एक्टिविस्ट युवाओं और महिलाओं सहित कुल 125 लोगों को 'मौलाना आज़ाद अवार्ड एंड लाइफ टाइम अचीवमेन्ट्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया। समारोह में 'बाल एवं पारिवारिक सौहार्द मेले' का भी आयोजन हुआ। जिसमें शहर के कई परिवारों के सदस्यों, महिलाओं व बच्चों ने झूले, सेल्फी पॉइंट, खान-पान और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी झलकियों का आनंद लिया। समारोह में यूनिवर्सिटी के सभी स्टाफ और स्टूडेंट्स का खास सहयोग रहा। संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेहाना बेगम और मोहम्मद आमिर ने किया। धन्यवाद यूनिवर्सिटी डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने दिया।

ए.डी.ई.ओ. ने जांची विद्यालय व्यवस्था

-रा.उ.मा.वि. पिलोवनी एवं घेनड़ी का किया औचक निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा विभाग की ओर से वर्तमान समय मे चल रहे विद्यालय निरीक्षण के तहत मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक ने रानी ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयो का निरीक्षण किया।

अतिरिक्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तेजसिंह पंवार ने मंगलवार की रानी ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पिलोवनी एवं घेनड़ी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इन्होने कार्मिक उपस्थिति पंजिका, शिक्षण कार्य, प्रखर राजस्थान 20, पोषाहार व्यवस्था, कक्षा कक्ष की स्थिति पुस्तकालय वितरण, कार्यपुस्तिका, विद्यार्थियों में संवाद। विद्यालय की समग्र शैक्षिक विधियों का गहन निरीक्षण एवं किया। आवश्यक मार्गदर्शन व संबंलन प्रदान करने के साथ शैक्षिक स्तर की जांच जिसे उन्होने सन्तोषजनक बताया। इन मौके पर पिलोवनी के कार्यवाहक प्रधानाचार्य ओम प्रकाश व घेनडी के कार्यवाहक प्रधानाचार्य मदन मोहन सोनल, बसन्तीलाल, मंगल सिह, समय सिह मीणा, विजय सिंह, घीसूसिंह, गोविन्द सिह, कमल किशोर, आशा, राजेन्द्र सिंह, मंगाराम, सुरजित सिंह आदि शिक्षक उपस्थित थे।

'पंजाब की कैटरीना' कहलाती है ये एक्ट्रेस

मॉडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावत

फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए 'पंजाब की कैटरीना' को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रहीं। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से । दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल की जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें 'पंजाब की कैटरीना' का खिताब दिलाया। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर 'माझे दी जट्टी', 'पिंड दियां कुड़ियां' जैसे कई गाने आए. असली पहचान उन्हें गैरी संधू के 'येह बेबी रेफिक्स' से मिली. पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने 'सत श्री अकाल', 'काला-शा-काला' में काम किया। हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह बिग बॉस 13 में पहुंची, जहां शहनाज ने खुद को 'पंजाब की कैटरीना कैफ' कहकर सबका ध्यान खींचा। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं। शो के दौरान उनके पिता घर पहुंचे और उन्हें सपोर्ट किया। शहनाज शो की विनर तो नहीं बन पाई, मगर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले प्रतिभागियों में से एक बनीं।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी

कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग

'लिटिल थिंग्स', 'कारवां', 'चॉपस्टिक्स' और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल' से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, 'मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे। 'उन्होंने कहा, 'मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे 'न्यूज दर्शन' दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, 'लिटिल थिंग्स' हुआ, 'गर्ल इन द सिटी' हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती। 'करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई।

रानी मुखर्जी पीढ़ियों तक याद रखी जाने वाली अभिनेत्री हैं: रणबीर कपूर

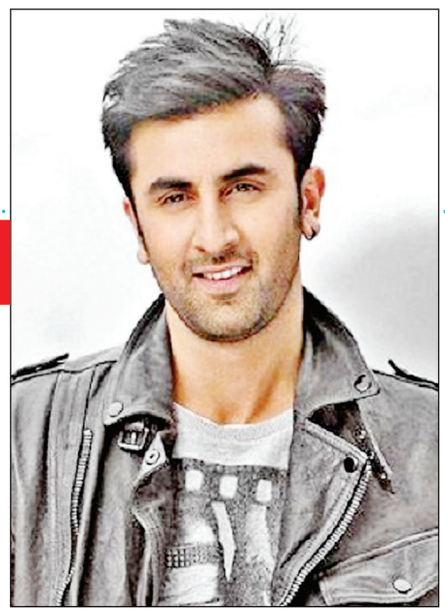

अभिनेता रणबीर कपूर का कहना है कि उन्हें हमेशा से लगता रहा है कि रानी मुखर्जी भारत की महानतम अभिनेत्रियों में से एक हैं और अपने काम के जरिए उन्होंने सिनेमा जगत में कीर्तिमान गढ़े हैं। रणबीर ने सांवरिया फिल्म में सह-कलाकार रहीं रानी के बारे में विस्तारपूर्वक बात की, जिन्होंने हाल में फिल्म जगत में 30 साल पूरे किए हैं। साल 1996 में अपने पदार्पण के बाद रानी कुछ कुछ होता है, हम तुमै और मर्दानी जैसी अनेक फिल्मों में अभिनय के जलवे बिखेर चुकी हैं। रणबीर ने एक बयान में कहा, रानी मेरी पहली फिल्म सांवरिया में सह-कलाकार थीं और वही पहली इंसान थीं जिन्होंने मुझसे कहा था कि अगर मैं मेहनत करूं, तो बहुत आगे जाऊंगा। उस बातचीत को मैं कभी नहीं भूल सकता क्योंकि उस समय उन्होंने मुझमें बहुत आत्मविश्वास जगाया। मैंने उन्हें एक इंसान के तौर पर भी क़रीब से देखा है, उनके काम को भी नजदीक से देखा है और उनकी शालीनता, आकर्षण व प्रतिभा से बेहद प्रभावित हुआ हूं।अभिनेता ने कहा कि फिल्मों के चुनाव को लेकर रानी के रुख ने पर्दे पर महिलाओं को दर्शाने के तरीके को आकार दिया है। उन्होंने कहा, पूरी इंडस्ट्री का एक साथ रानी की 30 साल की ऐतिहासिक विरासत का जश्न मनाना वाकई अद्भुत है। मुझे हमेशा लगा है कि रानी पीढ़ियों तक याद रखी जाने वाली कलाकार हैं।

संजय मिश्रा-नीना गुप्ता स्टारर वध 2 का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

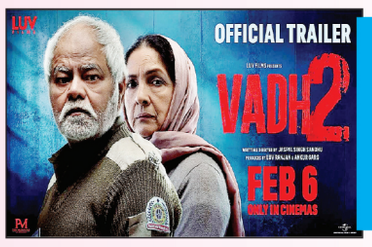

नई और दिलचस्प कहानी ने खींचा ध्यान

लव फिल्म्स ने अपनी अपकमिंग थ्रिलर-मिस्ट्री फिल्म 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता स्टारर इस फिल्म को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है। ट्रेलर में थ्रिल और इमोशनल कॉन्फ्लिक्ट के साथ एक नई कहानी दिखाई गई है, जबकि इसकी अहम घटना को अभी भी सस्पेंस में रखा गया है। ट्रेलर में गंभीर और रियल परफॉर्मेंस देखने को मिलती है, जो फिल्म की इमोशनल गहराई को मजबूती देती है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के साथ, लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स के बैनर तले बनी 'वध 2' में कुमुद मिश्रा, शिल्पा शुक्ला के साथ-साथ नए कलाकार अमित के सिंह, अक्षय डोगरा और योगिता बिहानी भी नजर आएंगे। फिल्म को लेकर बात करते हुए लेखक और निर्देशक जसपाल सिंह संधू ने कहा, 'वध 2 को इस तरह तैयार किया गया है कि यह मजबूत कहानी और साफ़-सुथरे किरदारों के साथ एक अलग अनुभव दे। हमने स्टोरीटेलिंग को एक कदम आगे बढ़ाया है, ताकि दर्शकों को एक लेयर्ड थ्रिलर-मिस्ट्री मिले। ट्रेलर 'वध 2' की उसी नैतिक रूप से जटिल दुनिया की झलक देता है, जहां सच साफ़ तौर पर नजर नहीं आता। 'प्रोड्यूसर लव रंजन ने कहा, 'वध 2 पहली फिल्म की सोच और इमोशनल गहराई को आगे बढ़ाती है, लेकिन बिल्कुल नई कहानी के साथ। इसकी खास बात यह है कि इस फ्रेंचाइज़ी की अगुवाई शानदार सीनियर एक्टर्स संजय मिश्रा और नीना गुप्ता कर रहे हैं, और उनके साथ कुमुद मिश्रा भी जुड़े हैं। तीनों की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस यह साबित करती है कि मजबूत कहानियां उम्र और तय दायरों से ऊपर होती हैं। 'प्रोड्यूसर अंकुर गर्ग ने आगे कहा, 'IFFI में 'वध 2' को जो रिस्पॉन्स मिला और दर्शकों का 'वध' से जो इमोशनल कनेक्शन रहा है, वह इस फिल्म की दुनिया के साथ उनके मजबूत जुड़ाव को दिखाता है। इससे हमारा यह भरोसा और पक्का होता है कि दर्शक आज भी मायने रखने वाली, किरदारों पर आधारित कहानियां देखना चाहते हैं। 'वध 2' वही बात आगे बढ़ाती है जो पहले दर्शकों को पसंद आई थी, साथ ही कुछ नया और असरदार भी पेश करती है। 'लव फिल्म्स की प्रस्तुति 'वध 2' को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

अनिल शर्मा ने धर्मेंद्र को पद्म विभूषण मिलने पर बधाई दी कहा: काश, यह सम्मान पहले मिल जाता

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा ने दिवंगत कलाकार धर्मेंद्र को पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने पर उनके प्रशंसकों को बधाई दी लेकिन साथ ही कहा कि अभिनेता को उनके जीवित रहते ही बहुत पहले यह पुरस्कार मिल जाना चाहिए था। गदर एक प्रेम कथा और गदर-2 जैसी सफल फिल्मों के निर्देशक अनिल ने सोमवार शाम सोशल मीडिया मंच एक्स पर धर्मेंद की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पद्म विभूषण मिलने पर धर्मेंद्र के हर प्रशंसक को हार्दिक बधाई। बस यही इच्छा है कि काश, यह सम्मान पहले मिला होता और वह इसे स्वयं स्वीकार कर पाते तो असीम खुशी होती लेकिन सच्चाई यही है (8230)... कुछ विरासतें पुरस्कारों से कहीं बढ़कर होती हैं। उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र को दशकों से मिली मोहब्बत, सम्मान और प्रशंसा किसी भी उपाधि, पदक या पुरस्कार से कहीं बड़ी है। धर्मेंद्र ने 60 वर्षों से भी अधिक समय तक फिल्मों में काम किया।

'दलदल' के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

मच अवेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि सतीश पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज़ खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं। भूमि ने कहा, 'समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की VD14 को मिला टाइटल 'राणा बाली', माइथ्री मूवी मेकर्स ने किया रिवील

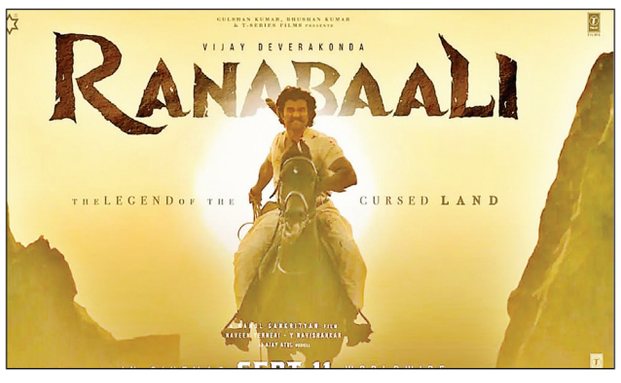

19वीं सदी के भारत में आधारित यह पैन-इंडिया फिल्म असली ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है। यह विजय देवरकोंडा और माइथ्री मूवी मेकर्स की तीसरी सहयोगी फिल्म होगी, पहले डियर कॉमरेड और खुशी में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म का संगीत आइकॉनिक म्यूज़िक डायरेक्टर अजय-अतुल ने दिया है। पैन-इंडिया सिनेमा के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक, विजय देवरकोंड़ा हमेशा अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए फैंस को एक्साइटेड रखते हैं। अपनी जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और एक्टिंग स्किल्स से हर फिल्म में चार चाँद लगाने वाले विजय अब राहुल सांकृत्यायन की डायरेक्शन में बनी अपनी अगली फिल्म VD 14 के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।काफी महीनों की इंतजार और बढ़ते उत्साह के बाद, मेकर्स ने गणतंत्र दिवस के मौके पर फिल्म का टाइटल और रिलीज़ डेट के साथ एक ग्लिम्प्स शेयर किया। फिल्म का नाम 'राणा बाली' है, जिसमें लीड रोल में विजय देवरकोंड़ा और रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म 11 सितंबर 2026 को दुनियाभर में रिलीज़ होने वाली है। 'राणा बाली' 19वीं सदी में सेट है और 1854 से 1878 के बीच हुई असली ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित है। इसे एक बड़े पैमाने पर पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के रूप में बनाया जा रहा है। ग्लिम्प्स में 'कर्सड लैंड' और उसके हीरो को दिखाने से पहले, मेकर्स ने भारत पर ब्रिटिश राज की बेरहमी को जबरदस्त विज़ुअल्स और जोरदार कहानी के साथ पेश किया है। राहुल सांकृत्यायन की नैरेशन में दिखाया गया है कि कैसे उपनिवेशी नीतियों ने देश में कष्ट बढ़ाया, खासकर उन इलाकों में जिन्हें सर रिचर्ड टेम्पल और सर थियोडोर हेक्टर जैसे अधिकारियों के दौर में जानबूझकर सूखे में बदला गया। ग्लिम्प्स में हिटलर के होलोकॉस्ट से भी भयानक नरसंहार की तुलना की गई है और भारत के बड़े पैमाने पर हुए आर्थिक शोषण को उजागर किया गया है। विजय देवरकोंड़ा राणा बाली के किरदार में नए और दमदार लुक के साथ ताकतवर और प्रभावशाली मौजूदगी दिखा रहे हैं, जबकि रश्मिका मंदाना जयम्मा की भूमिका निभा रही हैं। खलनायक सर थियोडोर हेक्टर के रूप में आर्नोल्ड वॉसलू की एंट्री फिल्म की ताकत और बढ़ा देती है। 'राणा बाली' में विजय देवरकोंड़ा और रश्मिका मंदाना फिर से एक साथ नजर आएंगे, गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद उनकी फेमस ऑन-स्क्रीन जोड़ी को वापस लाते हुए। यह विजय और माइथ्री मूवी मेकर्स (नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर) की तीसरी फिल्म है, जिन्हें पुष्पा जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। साथ ही, विजय फिर से सुपरहिट टैक्सीवाला के डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन के साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को टी-सीरीज प्रेज़ेंट कर रही है और म्यूज़िक आइकॉनिक जोड़ी अजय-अतुल ने दिया है, जिससे फिल्म और भी बड़ी और ग्रैंड लगेगी।

अल्लू अर्जुन-जेनेलिया की 'हैप्पी' ने पूरे किए 20 साल, एक्टर ने शेयर कीं बीटीएस तस्वीरें

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। इन्हीं में से एक फिल्म थी 'हैप्पी'। रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म को रिलीज हुए 20 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में अल्लू अर्जुन के अपोजिट जेनेलिया थीं। यह फिल्म अल्लू अर्जुन के शुरुआती करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक थी, जिसने अभिनेता को खास पहचान दिलाई थी। अब रिलीज के 20 साल पूरे होने पर अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म 'एक्स' पर खुशी जाहिर की और पुरानी यादों को फिर से ताजा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ 'बिहाइंड द सीन' वाली तस्वीरें शेयर कीं। इसमें अभिनेता पूरी टीम के साथ दिख रहे हैं। तस्वीरों में जेनेलिया, मनोज बाजपेयी, निर्देशक ए. करुणाकरण और अन्य कलाकार भी नजर आ रहे हैं।

(साभार एजेंसी)

क्या टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगा

● दावा- बांग्लादेश के सपोर्ट में भारत के मैच का बॉयकॉट कर सकता है पीसीबी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के मैच का बॉयकॉट कर सकती है। पाकिस्तान के न्यूज चैनल जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बांग्लादेश के सपोर्ट में 15 फरवरी को कोलंबो में नहीं खेलने का फैसला करने वाला है। पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को बाते हुईं। नकवी ने कहा कि अगले शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से मांग की थी कि उनके मैच भारत से श्रीलंका में शिफ्ट कराए जाए। बीसीबी ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। हालांकि, आईसीसी ने सुरक्षा का कोई खतरा नहीं बताया और बांग्लादेश को आखिर तक मनाने के बाद उन्हें हटाकर स्कॉटलैंड को मौका दे दिया।

बॉयकॉट से पाकिस्तान को नुकसान - पाकिस्तान ने अगर भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच खेलने से मना किया तो उनके 2 पॉइंट्स कट जाएंगे। साथ ही पीसीबी को बहुत बड़े फाइनेंशियल नुकसान का सामना भी करना पड़

सकता है। भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) को भी फाइनेंशियल नुकसान झेलना पड़ सकता है।

पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप छोड़ा तो सख्त एक्शन लेगा आईसीसी - बांग्लादेश को हटाने के बाद पीसीबी ने कहा था कि वे टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले सकते हैं। जिसके बाद रविवार को आईसीसी ने पीसीबी को चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान वर्ल्ड कप खेलने नहीं आया तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी ने पाकिस्तान को सभी टूर्नामेंट से हटाने का प्लान भी बना लिया। इतना ही नहीं उनके फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का भी आईसीसी से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलना मुश्किल हो जाएगा।

बांग्लादेश की मांग 14 देशों ने खारिज की - बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मैच श्रीलंका में कराने और ग्रुप बदलने की मांग की थी। गुरुवार को हुई आईसीसी बोर्ड की मीटिंग में 16 में से 14 देशों ने बांग्लादेश की इस मांग को खारिज कर दिया था।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित

पाकिस्तानी मूल के सफयान शरीफ के वीजा पर फंसा पेंच, आईसीसी-बीसीसीआई मिलकर निकाल रहे समाधान

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने सोमवार को अपने 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम को इसी हफ्ते भारत के लिए रवाना होना है, लेकिन पाकिस्तानी मूल के तेज गेंदबाज सफयान शरीफ समेत कुछ खिलाड़ियों के वीजा को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। क्रिकेट स्कॉटलैंड को आईसीसी ने भरोसा दिलाया है कि वे भारतीय वीजा जल्द दिलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव के कारण अक्सर पाकिस्तानी मूल के नागरिकों को वीजा मिलने में देरी होती है। स्कॉटलैंड का पहला मैच 7 फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होना है।

आईसीसी और बीसीसीआई मिलकर कर रहे काम - क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी टूरुडी लिंडब्लेड ने कहा,वीजा प्रक्रिया हमेशा थोड़ा अनिश्चित होती है, चाहे आपके पास 3 दिन हों या 45 दिन। पिछले 48 घंटों से हमारा पूरा ध्यान इसी पर है ताकि खिलाड़ी समय पर भारत पहुंच सकें। आईसीसी इस मामले में बीसीसीआई और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। हमें पूरा भरोसा है कि मैच से पहले सभी को क्लीयरेंस मिल जाएगा।

तिलक वर्मा की टीम इंडिया में वापसी टली

टी-20 वर्ल्डकप के वॉर्मअप मैचों में खेलना संभव, श्रेयस कीवियों के खिलाफ बचे 2 मैच खेलेंगे

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टॉप ऑर्डर बैटर तिलक वर्मा की टीम इंडिया में वापसी टल गई है। वे अब भारत के वॉर्मअप मैचों से वापसी कर सकते हैं। उनकी जगह शुरुआती 3 मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किए गए श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी दो मैचों में भी स्क्वॉड का हिस्सा रहेंगे। बीसीसीआई ने सोमवार को तिलक की फिटनेस अपडेट दी। बोर्ड के मुताबिक तिलक वर्मा ने फिजिकल ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है। वे बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन में लगातार रिकवरी कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें पूरी मैच फिटनेस हासिल करने में अभी और समय लगेगा।

तिलक 3 फरवरी को भारतीय टीम से जुड़ेंगे - बीसीसीआई ने बताया कि तिलक वर्मा 3 फरवरी को पूरी तरह फिट होने के बाद मुंबई में भारतीय टीम से जुड़ेंगे।

आज श्रृंखला जीतने के बाद अब भारत की निगाह स्पिनरों के अच्छे प्रदर्शन पर, इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। अब तक खेल के हर विभाग में अपना दबदबा बनाने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी जिसमें वह स्पिनरों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद भी करेगी। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन से भारत ने पहले तीनों मैच जीत कर श्रृंखला अपने नाम कर ली है। लेकिन इस बीच उसके दो प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए।

कुलदीप ने दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं और वह प्रभावित करने में असफल रहे हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए। जसप्रीत बुमराह, रवि बिश्नोई और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने कीवी टीम को 9 विकेट पर 153 रन पर रोक दिया था। कुलदीप इससे पहले वनडे श्रृंखला में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे और प्रति ओवर 7.28 रन दिए थे।

चक्रवर्ती को पिछले मैच में विश्राम दिया गया था लेकिन पहले दो मैच में उनकी गेंदबाजी में वह धार नहीं दिखी जिसके लिए वह जाने जाते हैं। इस संदर्भ में भारत इस बात पर विचार करेगा कि क्या चौथे मैच में बिश्नोई (गुवाहाटी में 18 रन देकर दो विकेट) को ही टीम में बनाए रखा जाए और कुलदीप को विश्राम देने के लिए उनकी जगह चक्रवर्ती को वापस लाया जाए। भारत ऑलराउंडर अक्षर पटेल की फिटनेस पर भी कड़ी नजर रखेगा, क्योंकि उंगली में चोट के कारण वह नागपुर में पहले मैच के बाद से नहीं खेल पाए हैं।

भारत इस श्रृंखला में विश्व कप से पहले गेंदबाजी विभाग में अपने चरम

पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है लेकिन बल्लेबाजी में फिलहाल उसका कोई सानी नहीं दिख रहा है। इस श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है। तीसरे मैच में तो भारत ने केवल 10 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अभिषेक ने 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार और किशन ने लगभग 230 के स्ट्राइक रेट को बनाए रखा है।

भारत की बल्लेबाजी की आक्रामकता की बानगी पिछले दो मैच आंकड़े पेश करते हैं। भारत ने दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में क्रमशः 209 और 154 रन (कुल 363 रन) का पीछा करते हुए केवल 25.2 ओवर ही खेले। अगर विशाखापत्तनम की पिच की प्रकृति और ओस के प्रभाव पर ध्यान दें तो इस मैच की कहानी भी अलग नहीं होगी। इस श्रृंखला में भारत के लिए चिंता का विषय केवल संजू सैमसन का खराब फॉर्म रहा है। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। हालांकि तिलक वर्मा की चोटिल होने के कारण बाहर होने से टीम प्रबंधन संजू को खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दे सकता है।

टीम प्रबंधन संजू को तीसरे नंबर पर भी उतारने का विचार कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो अभिषेक के साथ किशन पारी की शुरुआत करेंगे। वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले न्यूजीलैंड के लिए टी20 श्रृंखला में अभी तक कुछ भी अच्छा नहीं रहा। उसके बल्लेबाजों ने कभी-कभार अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक रवैये का जवाब देने में विफल रहे। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जेकब डफी उसके सबसे किफायती गेंदबाज हैं जबकि उनका इकॉनमी रेट 10.30 है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

न्यूजीलैंड - डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

समय - मैच शाम 7 बजे।

मुंबई इंडियंस की स्टार ऑलराउंडर ने रचा इतिहास

डब्ल्यूपीएल में जड़ा पहला शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूपीएल 2026 में ऐतिहासिक लम्हा देखने को मिला, जब मुंबई इंडियंस की स्टार ऑलराउंडर नैट साइवर-ब्रंट ने विमेंस प्रीमियर लीग का पहला शतक जड़ दिया। यह कारनामा उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ किया और अपनी इस पारी से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

डब्ल्यूपीएल को मिला पहला शतकवीर- वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेले गए मैच 16 में, टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत संभली हुई रही। नैट साइवर-ब्रंट ने पारी को संभालते हुए पहले 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर आक्रामक अंदाज़ अपनाते हुए 57 गेंदों में शतक जड़ दिया। इस पारी के साथ वह डब्ल्यूपीएल इतिहास में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं और टूर्नामेंट की रन लिस्ट में भी शीर्ष पर पहुंच गईं।

● **मुंबई इंडियंस का विशाल स्कोर**- साइवर-ब्रंट की शानदार पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ब्रेक के दौरान उन्होंने कहा कि वह 90ह्य के 'कर्स' से वाकिफ थीं और टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर फोकस कर रही थीं।

● **पहला अ20 शतक, खास जश्न**- यह शतक कई मायनों में खास रहा। नैट साइवर-ब्रंट का यह टी20 क्रिकेट में पहला शतक था, स्टैंड्स में मौजूद उनकी साथी और पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर कैथरीन साइवर-ब्रंट इस पल की गवाह बनीं।

यह टीम 568 रनों से जीती मैच

गढ़ दिया इतिहास!

जीत के हीरो रहे ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार और मणिपुर के बीच रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का फाइनल मुकाबला बिहार में पटना में स्थित मोइन-उल-हक स्टेडियम में खेल गया. इस खिताबी मुकाबले में बिहार ने 568 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की. रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में ये अब तक की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है. मणिपुर के खिलाफ मिली रिकॉर्डतोड़ जीत के साथ ही बिहार की टीम अब प्लेट ग्रुप से निकलकर एक बार फिर से एलीट ग्रुप में प्रवेश कर चुकी है. अगले रणजी सीजन में बिहार एलीट ग्रुप में खेलती हुई नज़र आएगी. इस ऐतिहासिक जीत में बिहार की तरफ से कई खिलाड़ियों ने अहम रोल निभाया. इसमें कप्तान साकिबुल गनी, आयुष लोहारुका, बिपिन सौरभ, सूरज कश्यप, हिमांशु सिंह और पीयूष कुमार सिंह जीत के हीरो रहे.

रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का कैसा रहा खिताबी मुकाबला

रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप के खिताबी मुकाबले की पहली पारी में बिहार ने 522 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. इसके जवाब में मणिपुर की टीम 264 रन पर सिमट गई. दूसरी पारी में बिहार ने 119.3 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 505 रन बनाकर पारी घोषित की. इस पारी में पियूष कुमार सिंह ने दोहरा शतक जड़ते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया. पियूष ने नाबाद 216 रनों की बेहतरीन पारी खेली. दूसरी पारी खेलने उतरी मणिपुर की टीम महज 195 रन पर ही ऑल आउट हो गई. इस खिताबी मुकाबले में बिहार की टीम ने कुल 1,027 रन बनाए, जबकि मणिपुर 459 रन ही बना पाई. इस तरह बिहार की टीम ने 568 रनों से विशाल जीत दर्ज की.

जीत के हीरो रहे ये खिलाड़ी

रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप 2025-26 में बिहार की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया. खिलाड़ियों के बेहतरीन और लगातार योगदान की बदौलत टीम ने दमखम दिखाते हुए एक बार फिर एलीट ग्रुप में अपनी जगह पक्की कर ली. इस सीजन में बिहार के लिए कप्तान साकिबुल गनी समेत 5 और खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनके नाम इस प्रकार हैं :-

आयुष लोहारूका बिहार की ओर से सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 6 मैचों में कुल 540 रन बनाए. इसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 226 रन रहा. बिपिन सौरव ने पूरे सीजन में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खूब जलवा दिखाया. वो इस सीजन 14 छक्कों के साथ प्लेट ग्रुप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे. बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने पूरे टूर्नामेंट में जिम्मेदारी भरी पारियां खेलते हुए कई बार टीम को संकट से बाहर निकाला. गनी के बल्ले से 6 मैचों में कुल 329 रन निकले, जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे. रणजी ट्रॉफी के डेब्यू सीजन पर सूरज कश्यप ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी. बिहार के लिए तीन मैचों में उन्हें पांच पारियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने कुल 247 रन बनाए. इसके साथ ही उन्होंने 8 विकेट भी अपने नाम किए. पीयूष कुमार सिंह को इस सीजन में सिर्फ फाइनल मुकाबले में खेलने का मौका मिला. इस बड़े मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी पारी में 216 रनों की बेहतरीन पारी खेली. हिमांशु सिंह ने बिहार की ओर से खेलते हुए इस सीजन सबसे ज्यादा विकेट अपने नाम किए. उन्होंने 6 मुकाबलों में 15 विकेट चटकाए और इस दौरान उन्होंने कुल 848 डॉट बॉल डालीं, जो टीम में सर्वाधिक रहीं.

मेंस एचआईएल

जीसी को 4-3 से हराकर हैदराबाद तूफान ने जीता ब्रॉन्ज

भुवनेश्वर, एजेंसी। हैदराबाद तूफान ने हाई-स्कोरिंग मैच में एचआईएल जीसी को 4-3 से मात देकर मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 में तीसरा स्थान हासिल किया। सोमवार को भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में तूफान के लिए अमनदीप लाकड़ा ने 30वें और 53वें मिनट में दो गोल दागे, जबकि नीलकांता शर्मा ने 24वें मिनट में गोल किया। इनके अलावा, जैकब एंडरसन ने 33वें मिनट में एक गोल दागा। वहीं, एचआईएल जीसी की तरफ से सैम वार्ड ने 14वें और 52वें मिनट में दो गोल किए, जबकि केन रसेल ने 55वें मिनट में गोल किया। हैदराबाद तूफान ने खेल की शुरुआत शानदार तरीके से की। इस टीम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और शुरुआती पलों में हावी नजर आई।

पहले क्वार्टर में 8 सर्कल एंट्री के साथ, टीम के पास मैच का पहला गोल दागने का शानदार मौका था। जैकब एंडरसन को पहले क्वार्टर के अंत में अपनी टीम के लिए सबसे अच्छा मौका मिला। हालांकि,

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इस मौके को भुना नहीं सका। कुछ ही देर बाद, एचआईएल जीसी ने खेल के विपरीत जाकर गोल करके गतिरोध तोड़ा। मुकाबले के 14वें मिनट में डाराघ वॉल्श ने बाईं ओर से शानदार खेल दिखाते हुए सैम वार्ड को पास दिया, जिन्होंने जीसी को बढ़त दिलाई। इस झटके के बावजूद, तूफान दोनों टीमों में बेहतर दिख रही थी और बराबरी के गोल की तलाश में लगी रही। मुकाबले के 24वें मिनट तूफान के पास बराबरी का मौका आया। जैकरी वालेस का कटबैक नीलाकांता शर्मा के पास आया, जिन्होंने एक जोरदार टोमहॉक शॉट से जेम्स मजारेलो को छकाया। इसी लय को बनाए रखते हुए, मुकाबले के 30वें मिनट में अमनदीप लाकड़ा ने पेनाल्टी कॉर्नर से अपने ड्रैग फ्लिक को गोल में बदला, जिससे हाफ-टाइम से ठीक पहले हैदराबाद तूफान ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही हैदराबाद तूफान ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। 33वें मिनट में गेंद जैकब एंडरसन के पास आई, जिसे उन्होंने करीब से नेट में डाल दिया। मुकाबले के 52वें मिनट जीसी आखिरकार गेम में वापस आया। 52वें मिनट टैंगुई कोसिन ने सैम वार्ड को पास दिया, जिन्होंने बेहद कुशलता से इसे गोलकीपर के पास से टैप करके गोल कर दिया। 53वें मिनट अमनदीप लाकरा ने अपने ड्रैगफ्लिक को गोल में बदलकर तूफान को दो गोल की बढ़त दिलाई।

महाराष्ट्र डिप्टी CM अजित पवार का विमान हादसे में निधन: पूरे राज्य में शोक की लहर

-जांच और अधिकारियों की प्रतिक्रिया: DGCA ने हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि की

मुंबई । महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री और बारामती के प्रभावशाली नेता अजित पवार का बुधवार सुबह 8:45 बजे बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। वे 66 वर्ष के थे। जानकारी के अनुसार, अजित पवार मुंबई से चार्टर्ड विमान द्वारा बारामती पहुंचे थे, जहां लैंडिंग के दौरान विमान रनवे से फिसल गया और दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हादसे में विमान में मौजूद पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें अजित पवार के साथ उनका पर्सनल असिस्टेंट, सुरक्षाकर्मी और विमान स्टाफ शामिल थे। शुरुआती रिपोर्टों में छह लोगों के मारे जाने की खबर आई थी, लेकिन बाद में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने पुष्टि की कि हादसे में कुल पाँच लोग ही मारे गए। यह दुर्घटना महाराष्ट्र के राजनीति जगत के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई है, क्योंकि अजित पवार न केवल राज्य सरकार में डिप्टी CM के रूप में कार्यरत थे, बल्कि उनके पास बारामती और आसपास के क्षेत्रों में राजनीतिक प्रभाव भी अत्यंत मजबूत था। सूत्रों के अनुसार, अजित पवार बारामती में पंचायत चुनावों के लिए चार सभाओं को संबोधित करने के लिए गए थे। उनके इस दौरे का मकसद ग्रामीण मतदाताओं के बीच अपनी पार्टी की पैठ मजबूत करना था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उनकी यह यात्रा बेहद दुखद रूप से समाप्त हुई। हादसे की सूचना मिलते ही उनके बड़े भाई और एनसीपी के प्रमुख शरद पवार तथा सुप्रिया सुले दिल्ली से बारामती के लिए रवाना हो गए। वहीं परिवार के अन्य सदस्य मुंबई में उनके आवास के लिए निकल चुके हैं। अजित पवार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे लंबे समय से महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय रहे और विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने किसानों, ग्रामीण विकास और स्थानीय प्रशासन से जुड़े कई कार्यों में अहम योगदान दिया। उनके नेतृत्व और राजनीतिक कौशल ने उन्हें महाराष्ट्र के प्रभावशाली नेताओं में शामिल किया। उनके निधन से न केवल उनके परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है, बल्कि राज्य की राजनीति में भी खालीपन महसूस होगा। विमान हादसा बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान रनवे पर उतरते समय फिसल गया। DGCA और स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि विमान की तकनीकी स्थिति और मौसम की परिस्थितियाँ हादसे में कितनी भूमिका निभाई। राज्य में अजित पवार के निधन की खबर आते ही शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया और विभिन्न न्यूज़ चैनलों पर उनके समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता ने अपने दुख को व्यक्त किया। कई नेताओं ने ट्वीट और बयान जारी कर अजित पवार के निधन पर संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ राजनेताओं ने इस दुर्घटना को महाराष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति करार दिया। अजित पवार का राजनीतिक करियर अत्यंत समर्पित और सक्रिय रहा है। वे हमेशा अपने क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए प्रयासरत रहे। उनका जनसंपर्क और राजनीतिक सूझ-बूझ उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती थी। उनकी गहरी समझ, सरल व्यक्तित्व और जनता के प्रति संवेदनशीलता ने उन्हें लोगों के दिलों में विशेष स्थान दिलाया। बारामती में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता उनके निधन से स्तब्ध हैं। चुनावी तैयारियों के बीच यह हादसा उनके समर्थकों के लिए भी बड़ा धक्का है। शरद पवार और परिवार के अन्य सदस्य जैसे ही बारामती पहुंचे, वहां मौजूद लोग उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठा हुए। परिवार और राजनीतिक साथियों के लिए यह समय अत्यंत कठिन है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अजित पवार की मृत्यु के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में संतुलन बदल सकता है। विशेषकर, बारामती और आसपास के क्षेत्रों में उनके नेतृत्व की कमी महसूस की जाएगी। पंचायत चुनावों के दृष्टिगत यह घटना और भी महत्वपूर्ण हो गई है। इस दुखद हादसे ने यह याद दिलाया कि जीवन अस्थायी है और अपूरणीय क्षति कभी भी हो सकती है। अजित पवार का योगदान और उनकी राजनीतिक विरासत हमेशा याद की जाएगी। उनके अनुयायी और समर्थक उन्हें हमेशा अपने दिलों में जीवित रखेंगे।

जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में एवलांच:

-भारी बर्फबारी में कई होटलों को नुकसान, बचाव कार्य जारी

सोमनर्ग । जम्मू-कश्मीर के लोकप्रिय हिल स्टेशन सोनमर्ग में मंगलवार रात एक शक्तिशाली एवलांच (हिमस्खलन) आया। यह घटना लगातार जारी भारी बर्फबारी के बीच घटी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन कई होटलों और रिसॉर्ट्स को नुकसान पहुंचा है। एवलांच की घटना मंगलवार रात 10.12 बजे मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित सोनमर्ग रिजॉर्ट में रिकॉर्ड की गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने बचाव टीमों को तुरंत घटनास्थल की ओर रवाना किया। अधिकारियों ने कहा कि टीमें प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षा और नुकसान का आकलन करने में लगी हैं। इसके अलावा, प्रशासन ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी हुई है। मौसम विभाग ने पहले ही जम्मू-कश्मीर और अन्य पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी और एवलांच की आशंका को देखते हुए अलर्ट जारी किया था। जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (JKUTDMA) ने गंदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा सहित कश्मीर के 11 जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी दी थी। इसके साथ ही जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन जिलों में भी एवलांच की संभावना को ध्यान में रखते हुए अलर्ट जारी किया गया। बर्फबारी और एवलांच के कारण स्थानीय प्रशासन और बचाव एजेंसियों की मुस्तैदी की आवश्यकता बढ़ गई है। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्य तेजी से चल रहा है। सड़कें साफ करने और फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए सरकारी टीमों और सशस्त्र बलों को तैनात किया गया है। भारी बर्फबारी ने परिवहन व्यवस्था को भी प्रभावित किया। जम्मू-श्रीनगर हाईवे मंगलवार को बंद रहा, जिससे सड़क मार्ग से आवाजाही ठप हो गई। इसके साथ ही श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि मौसम की वजह से रनवे पर ऑपरेशन करना असुरक्षित हो गया था। इस कारण आने वाली 29 और जाने वाली 29 फ्लाइट्स को रद्द किया गया, जिससे यात्री और पर्यटक काफी असुविधा में रहे। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में लगातार बर्फबारी जारी होने के कारण मौसम विभाग ने नागरिकों और पर्यटकों से सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षित स्थान पर रहना और किसी भी अनावश्यक यात्रा से बचना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय लोगों से भी कहा कि वे अपने घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन से संपर्क करें। सोनमर्ग और आसपास के इलाकों में बर्फबारी का यह सिलसिला अभी कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है। इससे न केवल परिवहन और पर्यटन पर असर पड़ा है, बल्कि बर्फ के दबाव से एवलांच जैसी घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। प्रशासन और बचाव एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ काम कर रही हैं ताकि किसी भी प्रकार की हानि को न्यूनतम किया जा सके। इस बीच स्थानीय प्रशासन ने लोगों से आग्रह किया है कि वे मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी और दिशा-निर्देशों का पालन करें।

इंदौर भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतें: हाईकोर्ट ने गठित किया स्वतंत्र जांच आयोग

इंदौर । इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण लगातार मौतों की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। मंगलवार को एक और व्यक्ति की मौत से मृतकों की संख्या 29 तक पहुँच गई है। मृतक खूबसचंद (63) पिछले 15 दिनों से उल्टी और दस्त से पीड़ित थे। उनके परिवार का कहना है कि वे पहले स्वस्थ थे और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने शासन और नगर निगम की प्रस्तुत रिपोर्ट को 'आई-वॉश' करार दिया है। हाईकोर्ट ने माना कि यह मामला केवल स्थानीय प्रशासन का नहीं, बल्कि पूरे सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार से जुड़ा हुआ है। स्वच्छ पेयजल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। इस आधार पर कोर्ट ने स्वतंत्र जांच आयोग के गठन का आदेश दिया है, ताकि इस आपदा के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो। भागीरथपुरा में हुई मौतों के आंकड़े भी विवादों का विषय बने हुए हैं। शासन की ओर से कोर्ट में 23 मौतों की रिपोर्ट पेश की गई थी। इनमें से 16 मौतें सीधे तौर पर दूषित पानी से होने की बात कही गई, जबकि 4 मौतों के कारण अस्पष्ट बताए गए और 3 मौतों को दूषित पानी से नहीं जोड़ा गया। वहीं याचिकाकर्ताओं ने लगभग 30 मौतों का दावा किया। इस असहमति ने कोर्ट में गंभीर चिंता पैदा की। हाईकोर्ट ने कहा कि मौतों के स्पष्ट कारण रिपोर्ट में दर्ज नहीं हैं और पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण तथा दस्तावेजों का अभाव है। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई ढाई घंटे से अधिक चली। कोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि केवल रिपोर्ट पेश करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि वास्तविक तथ्य और वैज्ञानिक आधार सहित स्पष्ट जानकारी देनी आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि दूषित पानी की समस्या को गंभीरता से न लेने पर यह क्षेत्र सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि दूषित पानी के कारण होने वाली बीमारियां, जैसे दस्त और उल्टी, यदि समय रहते नियंत्रित न हों, तो जानलेवा हो सकती हैं। भागीरथपुरा में स्थानीय निवासियों ने लंबे समय से यह शिकायत की थी कि उनके क्षेत्र में पीने का पानी साफ नहीं है और अक्सर गंदे पानी की सप्लाई होती रहती है। स्वतंत्र जांच आयोग का गठन इसीलिए किया गया है ताकि मौतों के कारणों की निष्पक्ष जांच हो सके और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। कोर्ट ने शासन और नगर निगम को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पीने के पानी की गुणवत्ता पर तत्काल नियंत्रण रखें और प्रभावित लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराएँ। भागीरथपुरा में हुई मौतों की यह श्रृंखला एक गंभीर चेतावनी है कि स्थानीय प्रशासन की लापरवाही सीधे तौर पर लोगों के जीवन को खतरे में डाल सकती है।

अमेरिका का दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर

-ट्रम्प ने नए समझौते का दबाव बताया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ अपनी नीति को और कड़ा करने का संकेत देते हुए कहा है कि अमेरिका का एक और नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में बढ़ रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हैं और अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। ट्रम्प ने मंगलवार को अपने भाषण में कहा कि ईरान को नए समझौते पर सहमत करने के लिए अमेरिका पूरी तैयारी में है। हालांकि उन्होंने इस नए बेड़े की तटीय स्थिति या उसकी संख्या के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। अमेरिका पहले ही ईरान की ओर एक बड़ा जंगी बेड़ा भेज चुका है। बीबीसी फारसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी युद्धपोत USS अब्राहम लिंकन मिडिल ईस्ट पहुंच चुका है। यह युद्धपोत न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है और दुनिया के सबसे बड़े और शक्तिशाली नौसैनिक जहाजों में गिना जाता है। ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए इंटरव्यू में दावा किया कि ईरान अब बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि ईरानी अधिकारी कई बार संपर्क कर चुके हैं और वे डील करने के इच्छुक हैं। ट्रम्प का मानना है कि ईरान बातचीत के लिए उत्सुक है और अमेरिका के सामने अपना रुख नरम कर सकता है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने भी पत्रकारों से कहा कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर ईरान संपर्क करता है और शर्तें मानता है, तो अमेरिका उसके साथ सीधे बातचीत करेगा। इस महीने अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने ईरान के लिए चार मुख्य शर्तें रखी हैं। पहली शर्त है यूरेनियम के संवर्धन पर पूर्ण प्रतिबंध। दूसरी, पहले से संवर्धित यूरेनियम को हटाना। तीसरी शर्त, ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों की संख्या सीमित करना।

संसद का बजट सत्र शुरू: राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगा आरंभ, हंगामे के आसार

नई दिल्ली । 18वीं लोकसभा का बजट सत्र बुधवार से शुरू हो गया है और यह 2 अप्रैल तक चलेगा। यह सत्र दो चरणों में आयोजित होगा। पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं रखा गया है। सत्र का पहला दिन लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से शुरू होगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद मोशन ऑफ थैंक्स पर बहस होगी। इसके लिए लोकसभा में अस्थायी रूप से 2 से 4 फरवरी तक तीन दिन तय किए गए हैं। इस सत्र में मुख्य फोकस यूनियन बजट पर चर्चा और विभिन्न आर्थिक व सामाजिक मुद्दों पर बहस करने का रहेगा। हालांकि, इस बजट सत्र में हंगामे के आसार भी हैं। पिछले दो सत्रों में विपक्ष ने विशेष रूप से वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और MGNREGA स्कीम की जगह आने वाले VB-G RAM G कानून के विरोध में हंगामा किया था। सूत्रों के मुताबिक, इस बार भी विपक्ष SIR, VB-G RAM G कानून, अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ, विदेश नीति, वायु प्रदूषण, आर्थिक स्थिति और किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर बहस करने की मांग करेगा। लोकसभा में फिलहाल 9 विधेयक लंबित हैं। इनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की जांच संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां कर रही हैं। बजट सत्र से पहले ऑल पार्टी मीटिंग हुई थी, जिसमें विपक्ष ने VB-G RAM G एक्ट और SIR पर चर्चा की मांग की थी। इसे खारिज कर दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि इन मुद्दों पर दोनों सदनों में पहले ही बहस हो चुकी है और कानून पास होने के बाद उसे वापस नहीं लिया जा सकता। विपक्ष ने सरकारी कार्यसूची देर से जारी होने पर भी आपत्ति जताई, जिस पर सरकार ने समय पर इसे जारी करने का भरोसा दिया। मीटिंग के बाद विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। शिवसेना (UBT) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि सभी सांसदों ने अपने-अपने राज्यों के मुद्दे उठाए हैं, जिनमें प्रदूषण, SIR और बढ़ती बेरोजगारी शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने बजट पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बजट केवल संपन्न वर्ग के लिए है और आम जनता के लिए कुछ नहीं है। वहीं, आम आदमी पार्टी (AAP) के सांसद संजय सिंह ने कहा कि सरकार विदेश नीति में विफल रही है। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, शंकराचार्य के मुद्दे और SIR के जरिए वोट डिलीट करने पर सरकार की चुप्पी को चिंता का कारण बताया। इस तरह, यह बजट सत्र न केवल आर्थिक और विकास संबंधी चर्चाओं के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि राजनीतिक बहस और विपक्ष के विरोध के चलते हंगामेदार भी होने की संभावना है।

भारत-ईयू फ्री ट्रेड डील:

-ट्रम्प को करारा जवाब, दो अरब लोगों का फ्री ट्रेड एरिया

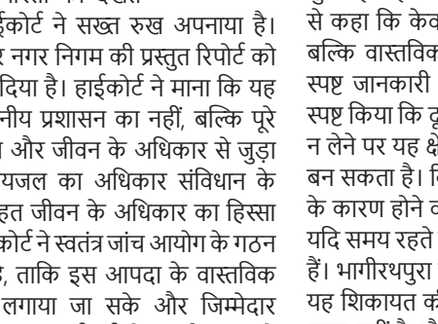

नई दिल्ली । भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) ने मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते (Free Trade Agreement - FTA) पर हस्ताक्षर किए, जिसे अब तक का सबसे बड़ा ट्रेड एग्रीमेंट माना जा रहा है। यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयेन ने इसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए 'मदर ऑफ ऑल डील्स' बताया और कहा कि इस समझौते से लगभग दो अरब लोगों का फ्री ट्रेड एरिया बन गया है, जिससे दोनों पक्षों को आर्थिक लाभ होगा। विश्व मीडिया ने इस डील को बेहद महत्वपूर्ण और समयोचित बताया। ब्लूमबर्ग ने लिखा कि यह समझौता अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को करारा जवाब है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीतियों और भरोसेमंद पार्टनर न होने के बीच, भारत और यूरोप ने दो दशकों की बातचीत के बाद यह सबसे बड़ा समझौता किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) ने भी इसे ऐसे समय में अहम कदम बताया, जब अमेरिका व्यापारिक मामलों में स्थिर और भरोसेमंद साझेदार नहीं माना जा रहा। अखबार ने लिखा कि यह समझौता न केवल भारत और यूरोप के बीच आर्थिक संबंधों को गहरा करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार में भी नया संतुलन स्थापित करेगा। इस अवसर पर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी नई दिल्ली में उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ मौजूद थे। दोनों नेताओं ने इस समझौते को रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण करार दिया।

गाजा जंग में इजराइली सैनिकों की मौत पर नेतन्याहू का बाइडेन प्रशासन पर आरोप

-देश में हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे

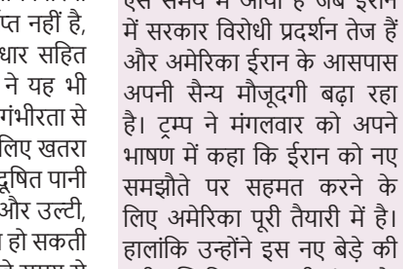

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि गाजा में हाल की जंग के दौरान कुछ इजराइली सैनिकों की जान अमेरिका द्वारा हथियार और गोला-बारूद की सप्लाई रोकने के कारण गई। टाईम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हमास के खिलाफ लड़ाई में आवश्यक हथियार और गोला-बारूद की कमी के कारण इजराइल को महत्वपूर्ण नुकसान उठाना पड़ा। नेतन्याहू ने सीधे बाइडेन प्रशासन का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका की ओर से हथियारों की सप्लाई उस समय रोकी गई थी। उन्होंने कहा कि इस रोक के कारण इजराइल की सैन्य तैयारी कमजोर हुई और आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध नहीं हो पाए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस सप्लाई रोक के कारण कितने सैनिकों की मौत हुई। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह संकट तब समाप्त हुआ जब डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के राष्ट्रपति बने। ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद इजराइल को फिर से हथियार और गोला-बारूद की नियमित आपूर्ति मिलने लगी। नेतन्याहू ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए यह संकल्प व्यक्त किया कि इजराइल अब विदेशी सैन्य सहायता पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहेगा। इसके लिए वे देश में एक मजबूत और स्वतंत्र हथियार उद्योग विकसित करने की योजना बना रहे हैं। उनका मानना है कि घरेलू हथियार निर्माण से इजराइल अपनी सुरक्षा में आत्मनिर्भर होगा।

यूरोपियन कमीशन ने भारत की वैश्विक भूमिका को किया सराहा

-राष्ट्रपति भवन में डिनर के दौरान हुई रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा

नई दिल्ली । राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को एक भव्य डिनर का आयोजन किया गया, जिसमें यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और हस्तियों ने भाग लिया। यह डिनर भारत और यूरोप के बीच बढ़ते सहयोग और साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने का प्रतीक माना जा रहा है। इस दौरान यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत की वैश्विक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारत अब ग्लोबल राजनीति में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा विकास है जिसे यूरोप पूरी तरह स्वागत करता है। उनका कहना था कि भारत और यूरोप के दृष्टिकोण और सोच में सामंजस्य है और दोनों मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने आगे कहा, "अगर भारत और यूरोप अपने संसाधनों और ताकत को मिलाएं, तो हम बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। आज का यह आयोजन इसी सोच का प्रतीक है। यह भारत-यूरोप फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और साझेदारी का एक अहम मोड़ है, लेकिन यह केवल शुरुआत भर है। भविष्य में हमारा सहयोग और भी गहरा और व्यापक होगा।" उन्होंने यह भी बताया कि भारत और यूरोप इस समय दुनिया को एक मजबूत संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "ऐसे समय में जब विश्व में मतभेद और तनाव बढ़ रहे हैं, भारत और यूरोप बातचीत, सहयोग और तालमेल का मार्ग चुन रहे हैं। इससे न केवल अस्थिर समय में स्थिरता बढ़ेगी, बल्कि लोगों को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। व्यापार और निवेश के क्षेत्र में यह विश्वास और निश्चितता लाएगा। इन समझौतों के माध्यम से भारत और यूरोप और ऊंचाइयों तक पहुँच सकते हैं।" राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस अवसर पर कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत और यूरोप का दृष्टिकोण समान है। उनका कहना था कि वैश्विक समस्याओं का सामना केवल सामूहिक प्रयासों और सहयोग के माध्यम से ही किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और यूरोप के बीच बढ़ती साझेदारी भविष्य में दोनों क्षेत्रों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा ने भी इस अवसर पर भारत-यूरोप सहयोग की अहमियत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "तेजी से बदलती दुनिया में हमारी रणनीतिक साझेदारी का बड़ा आर्थिक और भू-राजनीतिक महत्व है। मैं आज के शिखर सम्मेलन के परिणामों पर गर्व महसूस कर रहा हूं। यह एक ठोस विकास है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, डिफेंस पार्टनरशिप और 2030 तक के लिए जॉइंट स्ट्रैटजिक एजेंडा के माध्यम से हम वैश्विक मुद्दों पर सहकारी नेतृत्व का उदाहरण पेश कर रहे हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि दोनों पक्षों की यह साझेदारी केवल व्यापार और आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि भारत और यूरोप मिलकर दुनिया में शांति, स्थिरता और विश्वास का संदेश दे रहे हैं। इस डिनर में शामिल अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भी भारत-यूरोप सहयोग की दिशा में हुए हालिया समझौतों और शिखर सम्मेलन की सकारात्मकता की सराहना की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com